हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 190 बेमेतरा, सोमवार 02 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने 30 नामों पर लगाई मुहर, जोरहाट से चुनाव लड़ सकते हैं गौरव गोगोई

गुवाहाटी। आगामी असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 42 में से 30 उम्मीदवारों के नामों की सूची को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने जानकारी दी कि लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि असम की 42 सीटों पर कांग्रेस ने मंथन किया है, जिनमें से लगभग 30 नामों पर मुहर लग गई है और गौरव गोगोई के जोरहाट से चुनाव लड़ने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के बड़े मुस्लिम चेहरे सांसद रकीबुल हसन भी विधानसभा चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। हालांकि, चुनाव की आधिकारिक घोषणा के बाद प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की जाएगी। इससे पहले, जानकारी सामने आई कि 30 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रारंभिक पैनल राज्य स्तरीय जांच समिति ने जिला इकाइयों, वरिष्ठ नेताओं और पर्यवेक्षकों से परामर्श के बाद तैयार किया। बताया जाता है कि यह सूची अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (यूजीसी) की मंजूरी के लिए भेजी गई। हालांकि, कई संभावित उम्मीदवारों के जीतने की क्षमता, संगठनात्मक स्वीकार्यता और स्थानीय फीडबैक को लेकर चिंताएं भी सामने आईं।

ईसीएचएस फंडिंग बढ़ाने और दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स हटाने की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए फंडिंग और दिव्यांगता पेंशन पर इनकम टैक्स को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बनाई गई। आज यह फंड की भारी कमी से जूझ रही है। 12,000 करोड़ से अधिक के मेडिकल बिल पेंडिंग हैं। बजट आवंटन जरूरत से लगभग 30 प्रतिशत कम है और पेमेंट न होने की वजह से अस्पताल इससे बाहर हो रहे हैं।

ईरान में 40 दिनों के शोक की घोषणा

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत

ईरान/ एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की पुष्टि आधिकारिक तौर पर हो चुकी है। ईरान के सरकारी मीडिया ने रविवार की सुबह को पुष्टि की कि खामेनेई अमेरिका-इजरायल हमलों में मारे गए। खामेनेई की मौत की खबर के बाद ईरानी सरकार ने 40 दिन के शोक का ऐलान किया। वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि देश खामेनेई की मौत का शोक नहीं मनाएगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने पर शोक नहीं मनाया जाएगा।अल्बनीज ने रिपोर्टरों से कहा, अयातुल्लाह अली खामेनेई सरकार के बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर प्रोग्राम, हथियारबंद प्रॉक्सी को सपोर्ट और अपने ही लोगों के खिलाफ हिंसा और डराने-धमकाने के क्रूर कामों के लिए जिम्मेदार थे। वह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार थे। उनकी मौत पर शोक नहीं मनाया जाएगा। वहीं, खामेनेई की मौत की पुष्टि करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ईरान के सुप्रीम लीडर यूएस-इजरायल के संयुक्त हमलों में मारे गए, और इसे ईरानियों के लिए अपने देश पर कंट्रोल वापस पाने का सबसे बड़ा मौकाबताया। ट्रंप ने एक बयान में कहा, इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक, खामेनेई मर गया है। यह ईरान के लोगों

के लिए और सभी महान अमेरिकियों और दुनिया भर के कई देशों के उन लोगों के लिए न्याय है, जिन्हें खामेनेई और उनके खून के प्यासे गुंडों के गैंग ने मार डाला या घायल कर दिया। खामेनेई हमारे इंटेलिजेंस और बहुत एडवांस्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच नहीं पाए और इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए, ऐसा कुछ भी नहीं था जो वह या उनके साथ मारे गए दूसरे नेता कर सकें इस बीच, ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ बड़ा मिलिट्री कैंपेन जारी रहेगा। ट्रंप ने पोस्ट में कहा, हालांकि, भारी और सटीक बमबारी पूरे हफ्ते बिना रुके जारी रहेगी या जब तक मिडिल ईस्ट और असल में, पूरी दुनिया में शांति के हमारे मकसद को पाने के लिए जरूरी होगा! ट्रंप ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, आर्म्ड फोर्सेज और पुलिस से इम्यूनिटी के बदले अपने हथियार डालने की अपनी पिछली अपील एक बार फिर से दोहराई। वीडियो में राजधानी के दो भवनों को हवाई हमलों में पूरी तरह नष्ट होते देखा जा सकता है। इससे पहले, इस्राइली सेना ने बताया था कि वह तेहरान के केंद्र में ईरानी आतंकवादी शासन के लक्ष्यों पर व्यापक हमलों की एक श्रृंखला चला रही है। हमलों का उद्देश्य ईरानी प्रशासनिक और रणनीतिक ढांचे को निशाना बनाना बताया जा रहा है और यह अभियान ईरान के प्रमुख सरकारी स्थलों पर केंद्रित है।

खामेनेई की मौत के बाद अलीरेजा अराफी को मिली ईरान की कमान, काउंसिल ने बनाया सुप्रीम लीडर

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद अलीरेजा अराफी को ईरान की लीडरशिप काउंसिल में नियुक्त किया गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सीनियर ईरानी नेता अलीरेजा अराफी को रविवार को ईरान की लीडरशिप काउंसिल का ज्यूरिस्ट मेंबर बनाया गया है। अलीरेजा अराफी को लीडरशिप काउंसिल का ज्यूरिस्ट मेंबर बनाने का मतलब है कि अराफी तब तक सुप्रीम लीडर की भूमिका निभाएंगे, जब तक असेंबली नए लीडर का चुनाव नहीं कर लेती। अमेरिका और इजरायल ने साथ मिलकर ईरान पर हमला किया है। ईरान में कई जगह मिसाइलों से हमले किए गए।

पीएम मोदी और शाह के खिलाफ एफआईआर

आपको वकालत का लाइसेंस किसने दिया:जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाले वकील को फटकरा लगाई है। यह मामला नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 सीएए से जुड़ा है। हालांकि, जब वकील ने बाद में कोर्ट से वादा किया कि वह फिर कभी फालतू याचिका दायर नहीं करेगा, तो चीफजस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका खारिज कर दी और उससे खर्च वसूलने पर रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत

और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। हाई कोर्ट ने वकील को सीएए लागू करने के खिलाफ पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और तत्कालीन कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के खिलाफ फालतू याचिका दायर करने के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया था। सीजेआई सूर्यकांत ने वकील पूरन चंद्र सेन से यह भी पूछा, क्या हाई कोर्ट ने उन पर खर्च नहीं लगाया था आपने बैंड नहीं पहना हैऐसा लगता है जैसे आप किसी कुश्ती मैच में हिस्सा लेने आए हैं 'सीजेआई ने उन्हें डांटा, और पूछा, आप कितने साल से वकालत कर रहे हैं? जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से पूछा कि आपको लाइसेंस देने की गलती किसने की? प्लीज़ ऐसी पिटीशन फाइल न करें।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मिला अंतरराष्ट्रीय साजिश का कनेक्शन, नेपाल से हुई थी फंडिंग

मुंबई। मुंबई में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में लगातार जांच जारी है और मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बड़े-बड़े सुराग भी लग रहे हैं। अब मामले में क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है कि शूटर्स को एटीएम के जरिए घटना को अंजाम देने के लिए मोटी रकम दी गई थी और फंडिंग पड़ोसी देश नेपाल से हुई थी। फंडिंग की पुष्टि के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच ने जांच को और गहन कर दिया है। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने अब अंतरराष्ट्रीय साजिश का रूप लेना शुरू कर दिया है।

पंजाब में धर्म परिवर्तन पर अमित शाह ने जताई चिंता

भगवंत मान सरकार से की रोकने की अपील-अमित..

मुंबई/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर रखा गया था। इस दौरान अमित शाह ने पंजाब में हो रहे धर्म परिवर्तन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने भगवंत मान सरकार और पंजाब के आम लोगों से अपील की कि वे लालच से प्रेरित इस प्रथा को तुरंत रोकें। शाह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपना

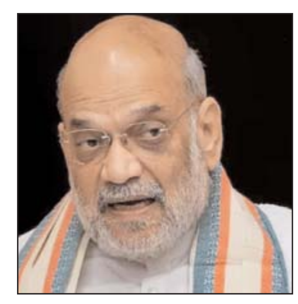

बलिदान दिया था। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे लेकिन कभी झुके नहीं। गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर आज हम किसी लालच में आकर अपना धर्म बदलते हैं, तो हम अपने महान गुरुओं के सच्चे अनुयायी नहीं कहला सकते। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और वहां के हर धर्म के लोगों को मिलकर इस धर्म परिवर्तन को रोकना चाहिए। अपने संबोधन में शाह ने कहा, अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी न दी होती, तो आज दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कुछ लोगों ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई थी, लेकिन यह एक ऐसा सच है जिसे सबको मान लेना चाहिए। इतिहास का जिक्र करते हुए शाह ने बताया कि जब मुगल शासक औरंगजेब के समय कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुए, तब उन्होंने गुरु तेग बहादुर से मदद मांगी थी।

ईरान के सुप्रीम खामेनेई की मौत

पीएम नेतन्याहू ने कहा तानाशाह अब नहीं रहा

नई दिल्ली। इजरायल के साथ युद्ध के बीच ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई की मौत को लेकर कहा कि ईरान में अब शांति आएगी। हालांकि, शुरुआत में ईरानी मीडिया ने पीएम नेतन्याहू के दावे को खारिज किया था, लेकिन बाद में उन्होंने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि कर दी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, आज हमने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम में शामिल कई बड़े नेताओं को मार गिराया है और हम इस सरकार की कई जगहों को टारगेट करते रहेंगे। हमने उस जगह को

टारगेट किया है जहां खामेनेई थे।उन्होंने आगे कहा, यह तानाशाह अब नहीं रहा। आज सुबह हमने अयातुल्लाह सरकार के बड़े अधिकारियों, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कमांडरों और न्यूक्लियर प्रोग्राम के बड़े लोगों को खत्म कर दिया।

एक ही दिन में लड़की के साथ दो बार दुष्कर्म के बाद हत्या, पहले प्रेमी ने दिया धोखा

ओडिशा। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ एक ही दिन में दो अलग-अलग जगहों पर दुष्कर्म किया गया और बाद में उसे मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 22 फरवरी की है। 22 फरवरी की सुबह लगभग 10 बजे युवती अपने प्रेमी सोमनाथ ओझा के साथ घर से भागकर शादी करने की योजना बनाकर निकली थी। प्रेमी सोमनाथ ने उसे शादी का झांसा देकर जगतसिंहपुर के सरला मंदिर बुलाया था। युवती जब वहां पहुंची, तो शादी करने के बजाय आरोपी प्रेमी उसे एक सुनसान जगह पर ले गया।

सीएम ने दिए जांच के आदेश

नागपुर में विस्फोटक कारखाने में भयानक धमाका,17 की मौत, लगभग 18 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को भयानक हादसा हो गया। नागपुर जिले के कटोल तहसील में एक विस्फोटक कारखाने में हुए धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने बताया कि विस्फोटक कारखाने में हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए हैं। जानकारी के मुताबिक कि यह विस्फोट कटोल तहसील के राउलगांव में खनन और औद्योगिक विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एसबीएल एनर्जी

लिमिटेड के प्रतिनिधियों के हवाले से बतायाकि घटना कंपनी की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में सुबह 7 बजे से 7.15 बजे के बीच हुई। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद घायलों को नागपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। नहीं हर्ष पोद्दार, एसपी, नागपुर ग्रामीण ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना में शव बुरी तरह जल चुके थे और उनकी पहचान करना असंभव था। मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए परिवार के सदस्यों के नमूने डीएनए परीक्षण के लिए लिए जा रहे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्फोट के कारणों की गहन जांच के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) और सुरक्षा के लिए रक्षा सूचना प्रणाली डीआईएसएस के अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर मौजूद थीं।

चुनाव से पहले साउथ में एक्टिव हुए पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्षायक भूमिका निभाएगा

पुडुचेरी/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी दौरे के दौरान 2700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुडुचेरी आना उनके लिए सम्मान की बात है और यह संतों, कवियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने इसी धरती से राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं पहले यहां आया था, तो मैंने बीईएसटी पुडुचेरी' का मंत्र दिया था- जिसका मतलब है बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में यह विजन फल दे रहा है। पुडुचेरी में अच्छा शासन और विकास हुआ है। जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश एक ही विजन और लगन से काम करते हैं, तो नतीजे तेजी से और बेहतर होते हैं। पीएम मोदी ने कहा

कि देशभर में उच्च गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में 12 लाख करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे पुडुचेरी में बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति, तटीय ढांचा, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुडुचेरी को कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत विशेष सहायता दी गई है, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा फंडिंग का मतलब है बेहतर सड़कें, पानी की सप्लाई, कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, अस्पताल और ऐसे कई प्रोजेक्ट। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम सपनों को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्पिटल की सुविधाएं कई स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करेंगी। पुडुचेरी विश्वविद्यालय में भी आधारभूत ढांचे का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया ऐसी मोबिलिटी पर फोकस कर रही है जो ज्यादा साफऔर ग्रीन हो।

अदालत का फैसला सर्वोपरि

अब पार्टी छोड़ देश के लिए करें काम

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत द्वारा कथित आबकारी घोटाले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को क्लीन चिट दिए जाने के बाद, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रणेता अन्ना हजारे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे न्यायपालिका की जीत बताते हुए केजरीवाल को सलाह दी कि वे अब व्यक्तिगत और पार्टी हितों से ऊपर उठकर देश सेवा में जुटें। अदालती फैसला और न्यायपालिका का सम्मान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए शुक्रवार का दिन एक बड़ी

कानूनी और नैतिक राहत लेकर आया। दिल्ली की एक अदालत ने बहुचर्चित शराब नीति मामले में फैसला सुनाते हुए केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को पूरी तरह आरोप मुक्त कर दिया है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम

संक्षिप्त समाचार

रोज़े के दौरान एक्टिव कैसे रहें: ऋतिका

पवित्र महीना रमज़ान इबादत, सोच-विचार और मिल-जुलकर रहने का समय होता है। 30 दिनों तक सुबह से शाम तक रोज़ा रखना शरीर के लिए थकाने वाला हो सकता है, खासकर माताओं, कॉलेज के विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों के लिए जो रोज़ की ज़िम्मेदारियाँ भी निभाते हैं। पूरे दिन ऊर्जा बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है सही तरीके से और सोच-समझकर तैयार की गई सहरी खाना।

सहरी में ध्यान संतुलित और धीरे-धीरे ऊर्जा देने वाले भोजन पर होना चाहिए, जो दिन भर ताकत बनाए रखने में मदद करें और थकान से बचाएं। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन शरीर को लगातार ऊर्जा देता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। दूसरी ओर, दिन की शुरुआत तले हुए या बहुत मीठे भोजन से करने पर ऊर्जा जल्दी बढ़ती है और फिर अचानक गिर जाती है। इससे दिन बढ़ने के साथ-साथ थकान और प्यास ज्यादा महसूस हो सकती है। सहरी में समझदारी से और पौष्टिक भोजन चुनने से रोज़ा रखना अधिक आसान और ऊर्जावान महसूस हो सकता है। दिन भर लगातार ऊर्जा बनाए रखने के लिए इन पांच खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करें: कैलिफोर्निया बादाम: बादाम में विटामिन बी2, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो भोजन से ऊर्जा मिलने की प्रक्रिया में मदद करते हैं। ये शरीर को स्वस्थ और टिकाऊ ऊर्जा देते हैं, जिससे आप दिन भर सक्रिय रह सकते हैं। सहरी में कैलिफोर्निया बादाम को शामिल करना, चाहे उन्हें रात भर भिगोकर खाएं या स्मूदी में मिलाकर लें, लंबे समय तक रोज़ा रखने के दौरान ऊर्जा के स्तर को स्थिर बनाए रखने में मदद कर सकता है।

ओट्स: दूध या पौधे से बने विकल्पों के साथ तैयार किया गया एक कटोरा ओट्स जटिल कार्बोहाइड्रेट और फाइबर देता है। यह ऊर्जा को धीरे-धीरे जारी करने में मदद करता है, जिससे आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और दोपहर में होने वाली थकान से बचाव होता है। अंडे:अंडों में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन और आवश्यक अमीनो एसिड भरपूर मात्रा में होते हैं। चाहे उन्हें उबालकर खाएं, स्क्रैम्बल करें या सब्ज़ियों के साथ ऑमलेट में शामिल करें, अंडे लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं और मांसपेशियों के स्वास्थ्य का समर्थन भी करते हैं। ग्रीक योगर्ट के साथ सीड्स: ग्रीक योगर्ट प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है।

''यह सिर्फ एक प्लांट का उद्घाटन नहीं है - यह उन्नत सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक गंभीर, विश्वसनीय और तेज़ी से विकसित होते हुए केन्द्र के रूप में भारत का उद्भव है''

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई देती है। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंट श्री अशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा: यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - 'भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है' - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफलतापूर्वक बदलने का सबूत है। यह भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। माइक्रोन का 22,516 करोड़ (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है। यह फैसिलिटी DRAM, NAND और सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) प्रोडक्ट्स बनाएगी - ये अहम मेमोरी कम्पोनेंट हैं।

रजिट्रेशन ऑफन्यूज पेपर (सेंट्रल रुल्स) 1956 के अंतर्गत मूक पत्रिका दैनिक समाचार पत्र के संदर्भ में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषय जानकारी

घोषणा फार्म-4 (नियम 8)

1. प्रकाशन का स्थान	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
2. प्रकाशन की नियत अवधि	-	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
मुद्रण स्थल	-	डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लांट नंबर 40/ 44 इंडस्ट्रियल एरिया बिरगांव रोड उरला रायपुर छत्तीसगढ़
4. प्रकाशक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
5. संपादक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
6. पत्र का स्वामित्व	-	आशीष कुमार कंठले
भागीदार अथवा एक प्रतिशत अधिक पूंजी वाले जिम्मेदार	-	नहीं
पता	-	वार्ड नंबर 15 मंडी मार्ग गंजपारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335

मैं, आशीष कुमार कंठले एतद द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त विवरण, मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

तारीख
2 मार्च 2026

प्रकाशक
आशीष कुमार कंठल

दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को दूर कर रही हैं मोबाइल मेडिकल यूनिट्स; 2400 से अधिक शिविरों में 40,000 से ज्यादा मरीज हुए लाभान्वित

रायपुर: ग्रामीण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (क्क्-छ्ह्रूह्) के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (स्र्ह्र) ने राज्य के सुदूर और नक्सल प्रभावित जिलों में 2400 से अधिक चिकित्सा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। राज्य में पीएम-जनमन परियोजना के परियोजना निदेशक चेतन शर्मा ने बताया कि अब तक प्रदेश भर में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से 40,000 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन एम्बुलेंसों के जरिए मरीजों को उचित उपचार और परामर्श प्रदान किया गया है। शर्मा ने आगे जानकारी दी कि 57 एमबीबीएस डॉक्टरों, इतनी ही संख्या में नर्सों और लैब तकनीशियनों की मेडिकल टीमें मौसमी बीमारियों से लेकर पुरानी बीमारियों तक, विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों का समाधान कर रही हैं। आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित ये एमएमयू (MMU) 'पहियों पर अस्पताल' के समान हैं, जो 25 प्रकार के लैब परीक्षणों की सुविधा दे रहे हैं। ये इकाइयाँ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

एमएमयू द्वारा उपचार की जाने वाली प्रमुख बीमारियाँ: इन इकाइयों द्वारा मुख्य रूप से त्वचा रोग (जैसे दाद, खुजली, बैक्टीरियल वेजिनोसिस, यीस्ट इन्फेक्शन, ट्राइकोमोनिएसिस आदि), गैर-संचारी रोग (ह्ष्ठह्य) जैसे हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) और मधुमेह का प्रबंधन, तथा संक्रमण (वायरल बुखार, टाइफाइड और अन्य सामान्य बीमारियाँ) का इलाज किया जा रहा है।

परियोजना निदेशक ने बताया कि इसके अतिरिक्त, एमएमयू प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवा, मातृ देखभाल, प्रसव पूर्व देखभाल (Antenatal Care), उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान और रेफरल, तथा प्रसवोत्तर जांच (Post-natal Check-up) की सुविधा भी प्रदान कर रहे हैं।

इसी तरह, ये इकाइयाँ बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित सेवाएं भी दे रही हैं, जिसमें कुपोषण की स्क्रीनिंग, परामर्श, और बचपन की सामान्य बीमारियों जैसे डायरिया, एआरआई (ऋह्र)/निमोनिया, अस्थमा और खसरे से जुड़ी जटिलताओं का उपचार शामिल है। परियोजना निदेशक के अनुसार, मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने विशेष रूप से दुर्गम इलाकों और संवेदनशील क्षेत्रों को लक्षित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। कवर किए गए क्षेत्रों में शामिल हैं:

नारायणपुर और ओरछा; बड़े राजपुर (कोंडागांव); कुसमी और शंकरगढ़ (बलरामपुर); अंतागढ़ और भानुप्रतापपुर (कांकेर); बोडला (कबीरधाम); मैनपुर, देवभोग और छुरा (गरियाबंद); नगरी (धमतरी); पाली और पौड़ी उपरोड़ा (कोरबा), गौरेला (जीपीएम) और पिथौरा।

माह फरवरी में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 01अधिकारी सहित 21 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत् सहायक परिचालन प्रबंधक सहित 21 रेल परिवार के सदस्य माह फरवरी 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया 7 समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 21 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 09, विद्युत विभाग से 07, यांत्रिक विभाग से 02, तथा वाणिज्य विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई

अंकित गौरहा:जमीन के सवाल,लेकिन जनता बेहाल-बेलतरा में उठे नए प्रश्न

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति इन दिनों फिर चर्चा में है। क्षेत्र के विधायक सुशांत शुक्ला विधानसभा सत्र में अपने सवालों को लेकर सुर्खियों में हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या उनके मुद्दे वास्तव में क्षेत्र की प्राथमिक समस्याओं को दर्शाते हैं, या केवल जमीन, टावर और अतिक्रमण जैसे विषयों तक सीमित हैं? पूर्व जिला पंचायत सभापति और कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने तंज कसते हुए कहा कि विधायक महोदय जमीन से जुड़े तो जरूर हैं, लेकिन उनके सवाल भी सिर्फ जमीन और टावरों के इर्द-गिर्द ही घूमते नजर आते हैं। कभी बिलासपुर को उड़ता पंजाब बताने की बात हो, तो कभी चौड़ीकरण के नाम पर लिंगियाडीह खाली करवाने का संकल्प—इन बयानों ने क्षेत्र में नई बहस छेड़ दी है। अंकित गौरहा का आरोप है कि विधानसभा सत्र के दौरान शासकीय जमीनों को खाली कराने, बिल्डरों की जांच और टावरों से जुड़े प्रश्नों पर तो जोर दिखता है, लेकिन बेलतरा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत समस्याएं—सड़क, पानी, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा—पर अपेक्षित आवाज नहीं उठ रही। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में हाल के दिनों में बढ़ती आपराधिक और राजनीतिक घटनाओं ने सरकार की छवि पर भी असर डाला है। ऐसे में जनता यह जानना चाहती है कि उनके प्रतिनिधि क्षेत्र के व्यापक विकास और जनहित के मुद्दों को कितनी प्राथमिकता दे रहे हैं। अब निगाहें आगामी विधानसभा सत्र पर टिकी हैं—क्या बेलतरा की आवाज सदन में व्यापक रूप से गूंजेगी, या बहस जमीन और टावरों तक ही सीमित रहेगी.. ?

आध्यात्मिक उत्थान मंडल ट्रस्ट के वार्षिक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर हेतु पोसैता स्टेशन में 02 एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थायी ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा आध्यात्मिक उत्थान मंडल ट्रस्ट के वार्षिक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में शामिल होने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली 02 एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थायी ठहराव दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के पोसैता स्टेशन में 01 मिनट के लिए दिया जा रहा है। विवरण इस प्रकार है :- दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी 7 यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 16.09 बजे पहुंचेगी तथा 16.10 बजे रवाना होगी दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक आरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 09.58 बजे पहुंचेगी तथा 09.59 बजे रवाना होगी दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक पुरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी 7 यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 07.34 बजे पहुंचेगी तथा 07.35 बजे रवाना होगी दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक योगनगरी ऋषिकेश से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18478 योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 15.38 बजे पहुंचेगी तथा 15.39 बजे रवाना होगी

दिव्यांगजनों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचे: अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया

- दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष ने शहर के दिव्यांग संस्थाओं, विशेष विद्यालयों एवं छात्रावासों का किया निरीक्षण
- योजनाओं की समीक्षा कर बेहतर क्रियान्वयन के दिए निर्देश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया ने आज कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह एवं संबंधित अधिकारियों के से चर्चा कर जिले में दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति, लाभार्थियों की स्थिति तथा भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार विमर्श किया। श्री कावड़िया ने दिव्यांगजनों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिले यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने दिव्यांगजनों के ऋण प्रकरणों, यूडीआईडी कार्ड निर्माण, सहायक उपकरण वितरण और शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में निरंतर शिविरों के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही स्वरोजगार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास भी जारी हैं। अध्यक्ष श्री कावड़िया ने निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अधिकतम पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ते हुए दिव्यांगजनों के लिए स्थायी आय के अवसर विकसित किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए ताकि जरूरतमंद हितग्राहियों को शीघ्र सहायता मिल सके। अध्यक्ष श्री कावड़िया ने शहर में संचालित दिव्यांग संस्थाओं, विशेष विद्यालयों एवं छात्रावासों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां अध्ययनरत बच्चों और प्रशिक्षुओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर-एसएसपी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक,पर्व में अनहोनी से निपटने जिला प्रशासन का पुख्ता इंतजाम

- होली एवं ईद पर्व आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने का निर्णय

बिलासपुर। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में होलिका दहन, 4 मार्च को होली एवं आगामी ईद-उल-फित्र पर्व को आपसी तालमेल एवं भाईचारे की भावना के साथ सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि जिले में सभी धर्मों एवं सम्प्रदाय का सम्मान करते हुए भाईचारे के साथ सभी धर्मों के पर्वों और उत्सवों को मनाने की वैभवशाली परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि यह परम्परा आगे भी जारी रखनी है। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कहा कि यह सामाजिक सौहार्द का पर्व है। सुरक्षा के सारे मापदण्डों का पालन किया जाएगा। असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी, हुड़दंगियों पर, सोशल मीडिया पर अफ़्वाह फैलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दुकानों पर मुखौटे बेचना प्रतिबंधित होगा। बैठक में पर्व के दौरान आपात सहायता एवं किसी भी तरह की अनहोनी को टालने के लिए पुलिस सहित नगर पालिक निगम, नगर सेना एवं सिम्स एवं जिला अस्पताल, विद्युत मण्डल आदि विभागों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए। समिति के सदस्यों ने पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर अपनी-अपनी सहमति जताई। नगर पालिक निगम द्वारा होलिका दहन स्थलों को चिन्हांकित कर साफ-सफाई कराई जाएगी। नियमित रूप से दो तीन बार पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था भी निगम द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस विभाग को पर्व के दौरान शहर के समस्त चौक-चौराहों, धार्मिक स्थलों, सिम्स, जिला अस्पताल सहित महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश दिए गए है। बीच सड़क पर डिस्क एवं बिजली तार के नीचे होलिका दहन नहीं किया जाएगा। पेट्रोलिंग पार्टी की संख्या बढ़ाकर मुख्य मार्गों के साथ-साथ अंदर की गलियों में गश्त की जाएगी। नगर सेना द्वारा फायर बिग्रेड वाहन मुस्तैद रखा जाएगा। सिम्स एवं जिला अस्पताल इस दौरान 24 घंटे खुले रहेंगे। विद्युत विभाग को पर्व के दौरान विद्युत की निरंतर आपूर्ति बनाये रखने एवं आपात स्थिति में सुधार के लिए कर्मचारियों की टीम तैनात रखे जाने के निर्देश दिए गए है। बैठक में एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहरी श्री पंकज पटेल, एसडीएम श्री मनीष साहू, शांति समिति के सदस्य श्री हबीब मेमन, श्री सुधीर खण्डेलवाल, श्री चंचल सलूजा, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री अजीत मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी और अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सिर्री समूह जलप्रदाय योजना से 83 गांवों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

रायपुर। जिले में जल जीवन मिशन के तहत विकासखंड कुरूद के 83 ग्रामों को शामिल करते हुए सिर्री समूह जलप्रदाय योजना प्रस्तावित की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से 29,036 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान कर लगभग 1,53,159 ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान में योजना की डीपीआर तैयार की जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा तैयार इस योजना की अनुमानित लागत 12512.31 लाख रुपये है। योजना के अंतर्गत शामिल 83 ग्रामों में इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों के लिए 7,239.23 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा रेट्रोफिटिंग एवं सिंगल विलेज योजनाओं का कार्य प्रगति पर है। यह योजना सतही जल स्रोत पर आधारित होगी। प्रस्तावित जल स्रोत महानदी पर स्थित रुद्री बैराज है। ग्राम डांडेसरा के समीप महानदी मेन कैनाल में स्थापित क्रॉस रेगुलेटर के अपस्ट्रीम में रॉ-वॉटर कलेक्शन समवेल एवं पंप हाउस निर्माण कर जल प्रदाय किया जाएगा। इस व्यवस्था से सभी 83 गांवों में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। विभागीय जानकारी के अनुसार, पूर्व में प्रस्तावित रुद्री समूह जलप्रदाय योजना के अंतर्गत 238 ग्रामों के लिए 13 एमसीएम वार्षिक कच्चे जल की उपलब्धता का प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। सिर्री समूह योजना के 83 ग्राम भी उसी जल स्रोत से जुड़े रहेंगे, जिससे जल उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। योजना के पूर्ण क्रियान्वयन में लगभग 24 माह का समय संभावित है। योजना के पूर्ण होने पर विशेष रूप से भू-जल स्तर में गिरावट वाले गांवों को राहत मिलेगी और ग्रामीणों को घर-घर नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

प्रशासन की संवेदनशील पहलः पिता बने विधिक अभिभावक, दिव्यांग पुत्र को मिलेगा योजनाओं का लाभ

रायपुर। जिले के बी.एस.यू.पी. कॉलोनी, मठपुरैना निवासी धानू महत के समर्पण और प्रशासन की तत्पर पहल से उनके दिव्यांग पुत्र जय महत को विधिक संरक्षण मिल गया है। इस निर्णय से जय की बंद दिव्यांग पेंशन पुन: प्रारंभ होने तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समिति द्वारा की गई अनुशंसा को समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अनुमोदित किया, जिसके बाद धानू महत को उनके पुत्र का विधिक अभिभावक नियुक्त किया गया। जय महत गंभीर बौद्धिक दिव्यांगता से पीड़ित हैं और अपने दैनिक जीवन के सभी कार्यों के लिए अपने पिता पर पूर्णत: निर्भर हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच धानू महत वर्षों से अपने पुत्र की सेवा और देखभाल कर रहे हैं। विधिक अभिभावक नियुक्त नहीं होने के कारण जय को मिलने वाली 500 रुपये प्रतिमाह की दिव्यांग पेंशन भी पिछले एक वर्ष से बंद थी, जिससे परिवार की परेशानी और बढ़ गई थी। अपने पुत्र के भविष्य को सुरक्षित करने और पेंशन पुन: प्रारंभ कराने के उद्देश्य से धानू महत ने विधिक अभिभावकता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 की धारा 13(2) के अंतर्गत गठित लोकल लेवल कमेटी, जिला रायपुर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया। कार्यालय संयुक्त संचालक, समाज कल्याण, जिला रायपुर में प्रस्तुत आवेदन पर अरविंद गेडाम के निर्देशानुसार समिति के सदस्य सिम्मी श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर ऋ आकांक्षा लॉयन्स इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एण्ड एम्पावरमेंट, अवंति विहार, रायपुर, स्थायी समिति की दिव्यांग सदस्य विनिता शर्मा द्वारा 11 फरवरी 2026 को स्थल निरीक्षण किया गया तथा कानूनी सलाहकार जगदीश प्रसाद अग्रवाल द्वारा सूक्ष्म निरीक्षण में पाया गया कि जय वास्तव में गंभीर बौद्धिक दिव्यांगता से पीड़ित हैं और पूर्णत: अपने पिता पर आश्रित हैं। इस निर्णय से जय महत को विधिक सुरक्षा प्राप्त होने के साथ-साथ उनकी दिव्यांग पेंशन पुन: प्रारंभ करने और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को नई आशा और संबल मिल रहा है।

ग्राम तुलसी के निवासी मिनी वर्मा को मिल रहा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम लोगों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही है। इसी कड़ी में संभाग रायपुर के उप संभाग तिल्दा अंतर्गत ग्राम पंचायत तुलसी में योजना के पंजीयन एवं उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर से प्रेरित होकर ग्राम तुलसी की निवासी मिनी वर्मा (पति टिकेंद्र वर्मा), बिजली कॉलोनी तुलसी स्थित अपने आवास की छत पर 3 किलोवाट पीक क्षमता का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित कराया है। इस हेतु उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक से योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त किया। श्रीमती वर्मा ने बताया कि सोलर सिस्टम स्थापना में लगभग दो लाख रुपये का व्यय आया, जिसमें से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कुल 1,08,000 रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे उन्हें आर्थिक रूप से काफी राहत मिली। उन्होंने बताया कि नवंबर माह से सोलर पैनल चालू होने के बाद से बिजली बिल शून्य हो गया है, बल्कि माइनस फिगर में -86 रुपये एवं -83 रुपये तक का बिल आ रहा है। पूर्व में प्रति माह 1200 से 1500 रुपये तक का बिजली बिल आता था, जो अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। श्रीमती वर्मा के अनुसार, सूर्य की किरणों से उत्पादित ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि घरेलू बचत भी बढ़ा रही है। पहले जो राशि बिजली बिल भुगतान में खर्च होती थी, उसी से अब बैंक ऋण की ईएमआई का भुगतान आसानी से किया जा रहा है। उन्होंने ग्राम तुलसी के अन्य नागरिकों से भी सौर ऊर्जा अपनाने और योजना का लाभ लेने की अपील की है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर डॉग ड्राइव, प्लेटफॉर्म से 20 आवारा कुत्ते पकड़े गए, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा अभियान

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल ने रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन परिसर की स्वच्छता को लेकर बड़ा कदम उठाया है। स्टेशन परिसर में बढ़ती आवारा कुत्तों की मौजूदगी को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष धरपकड़ अभियान चलाया, जिसके तहत दो दिनों में करीब 20 आवारा कुत्तों को मानवीय तरीके से पकड़ा गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देशन में 25 और 26 फरवरी को यह अभियान चलाया गया। स्थानीय नगर निगम के सहयोग से प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन के आसपास के खुले हिस्सों में टीमों ने कार्रवाई की।

नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे पुनर्वासित युवा: विधानसभा में समझी जनतांत्रिक प्रणाली

मुख्यधारा में लौटे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार कर रही प्रयास

- मुख्यधारा की ओर बढ़ते कदम पुनर्वासित युवाओं ने विधानसभा में देखी जनतांत्रिक प्रक्रिया
- गन'तंत्र छोड़कर गणतंत्र में आने वाले युवाओं का स्वागत-उपमुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

माओवाद की विचारधारा त्यागकर संविधान की राह अपनाने वाले 120 पुनर्वासित युवाओं के दल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचकर जनतांत्रिक प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। युवाओं ने सदन की कार्यवाही को करीब से देखा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझा। विधानसभा का यह शैक्षणिक भ्रमण उनके लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक अनुभव साबित हुआ। विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी का 'जय जोहार' के साथ स्वागत करते हुए कहा कि पुनर्वास का निर्णय लेने वाले सभी साथियों का राज्य सरकार हृदय से अभिनंदन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वासित युवाओं की सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सभी पुनर्वासित युवा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से पुनर्वास नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर आज संविधान के मंदिर में खड़े होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का साक्षी बनना इस बात का प्रमाण है कि बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि जो युवा 'गन'तंत्र का रास्ता छोड़कर गणतंत्र की मुख्यधारा में लौटे हैं, उनका राज्य सरकार हृदय से स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि संविधान का मार्ग ही शांति, विकास और समृद्धि का मार्ग है। राज्य सरकार पुनर्वासित युवाओं के सम्मानजनक जीवन, रोजगार और कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये युवा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे और अन्य लोगों को भी मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री किरण देव तथा श्री सुशांत शुक्ला ने भी पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि शासन उनके साथ दृढ़ता से खड़ा है। पुनर्वासित युवाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को निकट से देखने का यह अवसर उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे अब संविधान और कानून के दायरे में रहकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि 120 सदस्यीय इस दल में 66 पुरुष एवं 54 महिला प्रतिभागी शामिल हैं। पुनर्वासित युवाओं का यह समूह तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचा है, जहां वे शासन-प्रशासन की विभिन्न व्यवस्थाओं, कार्यप्रणालियों एवं विकासात्मक पहलों से अवगत हो रहे हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में बीएसएनएल सलाहकार समिति की बैठक..

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के संकल्प को साकार करने की दिशा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को राजधानी रायपुर में भारत संचार निगम लिमिटेड की दूरसंचार सलाहकार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ को डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने हेतु ठोस व दूरदर्शी कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन हुआ। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बीएसएनएल की सेवाएं केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहें, बल्कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक प्रदेश के हर गांव और हर घर तक निर्बाध रूप से पहुँचें। उन्होंने ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में नेटवर्क विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, जहां नेटवर्क की समस्या है वहाँ त्वरित सुधार करने तथा टावरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बिजली बाधित होने की स्थिति में भी नेटवर्क सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक ऊर्जा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। साथ ही, छत्तीसगढ़ में शीघ्र 5जी सेवा प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बैठक में निजी संचार कंपनियों की तुलना में बीएसएनएल की अपेक्षाकृत महंगी टैरिफ दरों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीएसएनएल भारत सरकार का उपक्रम है और इसकी सेवाएं लाभ नहीं, बल्कि जनसेवा के उद्देश्य से संचालित हैं, ऐसे में टैरिफदरें आम नागरिकों के लिए सुलभ और प्रतिस्पर्धी होना आवश्यक है। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए टैरिफ संरचना की समीक्षा की जाए, ताकि ग्रामीण, मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को बीएसएनएल की सेवाओं का अधिक लाभ मिल सके और बीएसएनएल पर आम जनता का भरोसा और मजबूत हो। सांसद श्री अग्रवाल ने स्वान और नोफ योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर सभी पंचायतों और गांवों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत नेटवर्क और सुलभ संचार ही आत्मनिर्भर डिजिटल छत्तीसगढ़ की नींव है। बैठक में सांसद रूप कुमारी चौधरी, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, बीएसएनएल के महाप्रबंधक पी.के. मरकाम, समिति के सभी सदस्यगण जब्बार डग्गली, राजेश कुमार शर्मा सुभाष प्रसाद साव, जसकरण सिंह राणा, सुनील भवाल, अश्विनी कुमार राजपूत, कमलेश शर्मा, पवन सिंघानिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रेम बिरनानी, कृष्ण कुमार अवधिया, अपर्णा फ्रांसिस एवं बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गार्बेज से गौरव तक:डंपिंग ग्राउंड से बनी जनजातीय गौरव वाटिका

रायपुर/ संवाददाता

जनजातीय गौरव वाटिका आज बस्तर जिले में विकास, पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन चुकी है। जगदलपुर के कुम्हड़ाकोट क्षेत्र में स्थित यह स्थान कभी गंदगी और अतिक्रमण से प्रभावित डंपिंग ग्राउंड था, लेकिन अब यह एक सुंदर पर्यटन स्थल और स्वरोजगार का केंद्र बन गया है। इस परिवर्तन के पीछे वन विभाग की विशेष पहल और शासन की योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में इस क्षेत्र का व्यापक विकास किया गया। आरक्षित वनखंड कक्ष क्रमांक 1021 के इस क्षेत्र को साफ-सुथरा कर यहाँ लगभग 1700 मीटर लंबा नेचर ट्रेल बनाया गया है। साथ ही सुंदर तालाब और एक आकर्षक आइलैंड विकसित किया गया है। लोगों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए योग चबूतरा, योग शेड और ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बैठने के लिए पाँच सुंदर पैगोड़ा और एक आकर्षक पुल भी बनाया गया है। इस वाटिका की खास बात इसकी समृद्ध वनस्पति है। यहाँ औषधीय पौधे, फलदार वृक्ष और बांस की विभिन्न प्रजातियाँ लगाई गई हैं। पूरी वाटिका को इको-फ्रेंडली और प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यह परियोजना केवल पर्यावरण सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार भी मिला है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा यहाँ जंगल कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेते हैं। डीएफओ श्री उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि इस पहल से 20 महिलाओं का समूह आत्मनिर्भर बना है। अब तक 10 हजार से अधिक पर्यटक यहाँ आ चुके हैं, जिससे महिला समूह को लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है। आज यह स्थान शहरवासियों के लिए सुबह की सैर, योग और शांति का पसंदीदा स्थल बन गया है। 'गार्बेज से गौरव' तक का यह सफर बताता है कि सही योजना, मजबूत नेतृत्व और जनभागीदारी से किसी भी स्थान का कायाकल्प संभव है। यह सफलता कहानी पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक मिसाल है।

बैज अपने फेयरवेल से पहले अंतर्कलह से जूझती कांग्रेस में

जितनी नियुक्तियाँ कर लें,कांग्रेस की साख नहीं लौटेगी : भाजपा

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी में की जा रही संगठनात्मक नियुक्तियों पर तंज कसते हुए कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज अब अपने फेयरवेल से पहले अंतर्कलह से जूझ रही कांग्रेस में अब कितनी भी नियुक्तियाँ कर लें, जनता के बीच अपनी खोई हुई साख कांग्रेस वापस नहीं पा सकती। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की नई नियुक्तियाँ संगठन की मजबूती के लिए नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर चल रही सिरफुटौवल और गुटबाजी को शांत करने के लिए की गई हैं। यह कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं, बल्कि बड़े नेताओं को खुश रखने का प्रयास है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता ने जिन्हें चुनाव में नकार दिया, कांग्रेस उन्हीं चेहरों को पदों से नवाज कर कौन सा संदेश देना चाहती है? यह नियुक्तियाँ दर्शाती हैं कि कांग्रेस के पास नए विचारों और ऊर्जावान चेहरों का भारी अभाव है और वह 'नई बोतल में पुरानी शराब' की कहावत चरितार्थ करने विवश है। कांग्रेस आज एक ऐसे डूबते जहाज के समान है, जिसमें छेद इतने बड़े हैं कि कप्तान बदलने या नए नाविक तैनात करने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। कांग्रेस के कार्यकर्ता तक अब अब अपने बड़े नेताओं के झूठ, पाखण्ड और दिखावे की राजनीति को समझ चुके हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस में मची भगदड़ और शीर्ष नेताओं के बीच के अविश्वास को ये नियुक्तियाँ ढँक नहीं सकतीं। जिस पार्टी का आधार ही खिसक चुका हो, वहाँ पदों की बंदरबाँट से संगठन में जान नहीं फूँकी जा सकती।

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से हादसा,पत्नी की मौके पर मौत

रायपुर। बिलासपुर-कोरबा नेशनल हाईवे पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें मोपेड सवार दंपति ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया है।जानकारी के अनुसार, ग्राम सलखा (बेलतरा) निवासी रामायण कश्यप (55) अपनी पत्नी गीता कश्यप के साथ मोपेड से बेलतरा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे सर्विस रोड से नेशनल हाईवे-130 पर पहुंचे, उसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही रामायण कश्यप दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, पीछे बैठी उनकी पत्नी गीता कश्यप ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जीवन में खुशी और आत्म संतुष्टि प्राप्त करने के लिए हमें अपना पैशन भी फॉलो करना चाहिए

डेका ने कहा नई शिक्षा नीति से मिला आयु में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार

- शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल आजीविका प्राप्त करना नहीं बल्कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर पूरे समाज का विकास होना चाहिए-श्री रमेन डेका

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल आजीविका प्राप्त करना नहीं बल्कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर पूरे समाज का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवर्तन जीवन का नियम है और शिक्षा हमारे जीवन में कई तरह के सकारात्मक बदलाव लेकर आती है। अगर हम अपनी शिक्षा के माध्यम से समाज में पीछे छूट रहे लोगों का जीवन सुधार पायें उनकी ज़िंदगी बेहतर बना पायें तो हमारा जीवन सफल होगा और इस अनमोल मनुष्य जीवन का सदुपयोग कर पाएंगे। दीक्षांत समारोह में 816 स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट विद्यार्थियों को उपाधियाँ और पदक प्रदान किए गए। शेल इंडिया की अध्यक्ष और शेल लुब्रिकेंट्स एशिया पैसिफिक की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंसी मदन त्रिपाठी को विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी (ऑनोरिस काउसा) से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज एमिटी विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा से ही विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने श्री कृष्ण द्वारा भगवत गीता में दिए ज्ञान का ज़िक्र करते हुए कहा कि हमें अपनी अंतर आत्मा से साक्षात्कार करते रहना चाहिए ताकि हम सही और गलत में अंतर समझ सकें। अंतरात्मा की सुनेंगे वो आपको कभी गलत काम करने नहीं देगी और इसी तरह आप खुद को ईश्वर के नज़दीक पायेंगे और आपको आत्म संतुष्टि प्राप्त होगी। शिक्षा से हम ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर सकते हैं। जीवन का एक उद्देश्य होना चाहिए और हमें शिक्षा में भी एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें हमें तकनीक का उपयोग करके जीवनशैली को बेहतर बनाना सिखाती है। लेकिन हमें अपने समाज, राष्ट्र और संस्थान के लिए भी अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति का ज़िक्र करते हुए कहा अब आप किसी भी उम्र में अपने पसंद की डिग्री हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि करियर निर्माण की आपा धापी में हम अपना पैशन भूल जाते हैं, जीवन का उद्देश्य केवल आजीविका कमाना नहीं है , खुशी और आत्म संतुष्टि प्राप्त करना भी है इसलिए हमें अपना पैशन फॉलो करना चाहिए। इस अवसर पर कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। आठ छात्रों को श्री बलजीत शास्त्री पुरस्कार, 31 छात्रों को डॉ. अशोक के. चौहान पुरस्कार, और 20 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। सोनल धोमने (बी.टेक. सीएसई) को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बेस्ट ऑल-राउंडर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। डॉ. अशोक के. चौहान, संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों से जीवन में एक उद्देश्य निर्धारित करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ने में योगदान देने का आह्वान किया। डॉ. असीम चौहान, अध्यक्ष, रितनंद बलवेद इंटरनेशनल एजुकेशन फाउंडेशन और चेयरमैन, अमिटी विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ ने कहा कि अमिटी ने छात्रों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मूल्य, दृष्टिकोण और तकनीकी कौशल प्रदान किए हैं। इस दौरान रजिस्ट्रार, फैकल्टी मेंम्बर्स, डीन, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं उनके परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संपादकीय

80 लाख आपत्तियां, वोटर लिस्ट की बड़ी परीक्षा

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता का मूल आधार पारदर्शिता और निष्पक्षता पर टिका होता है। पात्र मतदाता ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, यह सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी होता है।इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, मगर इसमें कई तरह की आशंकाएं और चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। खासकर पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण को लेकर कई मौकों पर निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को आमने-सामने देखा गया है। सवाल और आरोप वही हैं कि राज्य में इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया जा रहा है।पहले नागरिकता प्रमाण पत्रों को लेकर विवाद उठा, फिर बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के बोझ का मुद्दा सुर्खियों में आया और अब तार्किक विसंगतियों से संबंधित दावों और आपत्तियों के पारदर्शी तरीके से समय पर निपटारे का मसला सामने आया है।सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह इस कार्य में सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया था और अब राज्य के दीवानी न्यायाधीशों की तैनाती तथा पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओड़ीशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति भी दे दी है।गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया।मगर पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग की आशंकाएं अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। इस पर अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। साथ ही कहा कि चूंकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन से आधार को पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया गया था, इसलिए इसे स्वीकार करना होगा।दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार का दावा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत राज्य में तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और अब करीब अस्सी लाख दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जाना है, जिसमें निष्पक्षता बेहद जरूरी है।इसी के मद्देनजर सर्वोच्च अदालत ने इस कार्य में मदद के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

(ललित गर्ग)

इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे

मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय आकाश को अभेद्य कवच में बदल देंगे पीएम मोदी इजराइल से लेकर आएंगे आयरन लेजर सिस्टम

(नीरज कुमार दुबे)

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजरायल दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यह यात्रा भारत की सुरक्षा ढाल की नींव मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही स्वदेशी बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के निर्माण में जुटा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2035 तक प्रमुख शहरों और सामरिक प्रतिष्ठानों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षित करना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित 30 किलोवाट क्षमता की उच्च ऊर्जा लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा प्रणाली एमके टू ए इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अब भारत की नजर इजरायल की 100 किलोवाट श्रेणी की आयरन बीम प्रणाली पर है, जो आयरन डोम के साथ मिलकर कम दूरी की रॉकेट, मोर्टार और ड्रोन को कुछ ही क्षणों में ध्वस्त कर सकती है।

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है। हम आपको बता दें कि भारत सुदर्शन चक्र के तहत मध्यम और लंबी दूरी की बराक आठ प्रणालियों, एआई आधारित सेंसर और साइबर सुरक्षा तंत्र को एकीकृत कर रहा है। इसी के साथ इजरायल की एरो और डेविड स्लिंग जैसी दूरवर्ती अवरोधन प्रणालियों के तत्वों को भी समझा जा रहा है, ताकि बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार हो सके। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य का युद्ध पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। उस दौरान भारत ने रैम्पेज मिसाइल, हारोप और हार्पी जैसे कामिकाजे ड्रोन तथा स्पाइस एक हजार सटीक मार्गदर्शित बमों का उपयोग कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया था। इन प्रणालियों ने सटीकता, मारक क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया था। हम आपको यह भी बता दें कि फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में इजरायल ने भारत के साथ 8.6 अरब डालर के रक्षा सौदों पर सहमति जताई है। इनमें राफेल द्वारा निर्मित स्पाइस एक हजार बम, 250 किलोमीटर मारक क्षमता वाली रैम्पेज वायु से भूमि मिसाइल, एयर लोरा बैलिस्टिक मिसाइल तथा 300 किलोमीटर रेंज वाली आइस ब्रेकर मिसाइल प्रणाली शामिल है। फ्रांस के बाद इजरायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन चुका है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा वर्ष 2017 के बाद इजरायल की दूसरी यात्रा पर गए हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी जाएगी। कनेस्सेट में मोदी का संबोधन इस बढ़ती निकटता का प्रतीक होगा। पिछले नवंबर में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की इजरायल यात्रा के दौरान उन्नत तकनीकों के संयुक्त विकास और सह उत्पादन पर सहमति बनी थी। अब प्रस्तावित समझौता ज्ञापन इस सहयोग को और संस्थागत रूप देगा। भारत केवल खरीददार की भूमिका में नहीं रहना चाहता, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र खड़ा करना चाहता है। चौथा प्रभाव तकनीकी आत्मनिर्भरता पर पड़ेगा। एआई, क्वांटम और उच्च प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत का रक्षा उद्योग अगली पीढ़ी की युद्ध प्रणालियों में अग्रणी बन सकता है। इस तरह स्पष्ट है कि यह यात्रा केवल द्विपक्षीय औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की युद्धक तैयारी का खाका है। भारत अब रक्षात्मक प्रतिक्रियावादी राष्ट्र की छवि से बाहर निकलकर तकनीकी रूप से सुसज्जित, बहुस्तरीय और आक्रामक प्रतिरोधक शक्ति बनने की दिशा में बढ़ रहा है। बहरहाल, यदि आयरन बीम, एरो, डेविड स्लिंग जैसी प्रणालियों के तत्व सुदर्शन चक्र में समाहित होते हैं, तो भारतीय आकाश एक अभेद्य कवच में बदल सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हेक्सागन गठबंधन के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने समझिए

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन की भावी योजनाओं से चीन के बीआरआई जैसे प्रयासों को चुनौती मिल सकती है। इसका अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि एक 'नई वैश्विक धुरी' बनाने का जो नेतन्याहू का विजन है, वो विकास-समर्थक राष्ट्रों को शांति और समृद्धि के लिए एकजुट करने वाला है। इसलिए भारत इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकता है। इजरायल द्वारा प्रस्तावित हेक्सागन गठबंधन के अंतर्राष्ट्रीय मायने बेहद दिलचस्प हैं। यह अतिवादी ताकतों के विरूद्ध शक्ति संतुलन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित यह गठबंधन एक ऐसा कूटनीतिक समूह है, जिसमें भारत, अरब देश, अफ्रीकी राष्ट्र, ग्रीस, साइप्रस और अन्य एशियाई देश शामिल होंगे।

(कमलेश पांडे)

समझा जाता है कि भले ही इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके उन वैश्विक कूटनीतिक निहितार्थों से भी इंकार नहीं किया जा सकता, जो अमेरिका, चीन और रूस जैसे तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के कान खड़े करने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए कि इस गठबंधन में विश्व की चौथी बड़ी शक्ति भारत बेहद मजबूत और नेतृत्वकारी स्थिति में रहेगा। लिहाजा इसका स्वरूप तय हो जाने के बाद अरब और खाड़ी के इस्लामिक देशों पर वर्चस्व की जो होड़ वैश्विक महाशक्तियों के बीच मची रहती है, उस पर एक हद तक अल्पविराम भी लगेगा।

छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है हेक्सागन गठबंधन

दरअसल, हेक्सागन गठबंधन छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है जो पश्चिम एशिया में नई वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगी, क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप से भी इसे पूरी ताकत मिलेगी। यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे से भी जुड़ी हुई है।

वहीं इस बेमिसाल गठबंधन में भारत को प्रमुख भूमिका दी गई है, जिसमें एआई क्वांटम कंप्यूटिंग और सुरक्षा सहयोग पर फोकस होगा। जहां तक भारत की भागीदारी की बात है तो भारत अभी आधिकारिक रूप से इसमें शामिल नहीं हुआ है, लेकिन पीएम मोदी की 25-26 फरवरी 2026 को होने वाली इजरायल यात्रा के दौरान इस पर चर्चा और समझौते होने की संभावना बलवती है।

समझा जाता है कि यह 2017 के बाद पीएम मोदी की यह दूसरी बड़ी यात्रा होगी, जो पारस्परिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। वहीं नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथ विरोधी नई धुरी बताया है। उल्लेखनीय है कि हेक्सागन गठबंधन अभी औपचारिक रूप से अस्तित्व में नहीं आया है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले प्रमुख देशों या समूहों में इजरायल, भारत, ग्रीस, साइप्रस, कुछ अरब राष्ट्र और अफ्रीकी देश शामिल बताए गए हैं।

इस गठबंधन का मुख्य देश इजरायल है जो गठबंधन का प्रस्तावक और केंद्र बिंदु है। जबकि भारत इसके प्रमुख भागीदार के रूप में देखा जा रहा है, खासकर सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए। वहीं ग्रीस और साइप्रस इसके भूमध्यसागरीय रणनीतिक साझेदार देश हैं। जबकि अरब के कतिपय देश विकास और शांति समर्थक राष्ट्र के तौर पर रहेंगे। वहीं अफ्रीकी देश क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इसमें शामिल होंगे। जबकि अन्य एशियाई देश इसमें भारत और उस जैसे सहयोगी की भूमिका में शामिल किए जाएंगे।

हेक्सागन गठबंधन का उद्देश्य है स्पष्ट

जहां तक हेक्सागन गठबंधन के उद्देश्य की बात है तो यह गठबंधन कट्टरपंथी शिया-सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुटता का प्रयास है, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे से जुड़ाव हो सकता है। वहीं इसका मुख्य ध्येय कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों (जैसे ईरान समर्थित शिया धुरी और उभरती सुन्नी कट्टरपंथी शक्तियों) के खिलाफ एकजुट होकर क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना है।

यह गठबंधन भूमध्य सागर, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया के सहयोगी देशों को एक मंच पर लाकर कट्टरपंथ, आतंकवाद और अस्थिरता का सामना करने का एक सशक्त प्रयास है। इसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को मजबूत करना, एआई, क्वांटम तकनीक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।

हेक्सागन गठबंधन से भारत का बढ़ेगा रणनीतिक महत्व

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन की भावी योजनाओं से चीन के बीआरआई जैसे प्रयासों को चुनौती मिल सकती है। इसका अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि एक 'नई वैश्विक धुरी' बनाने का जो नेतन्याहू का विजन है, वो विकास-समर्थक राष्ट्रों को शांति और समृद्धि के लिए एकजुट करने वाला है।

इसलिए भारत इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

यही वजह है कि हेक्सागन गठबंधन से भारत को वैश्विक महाशक्ति के केंद्र के रूप में उभरने में रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी लाभ मिलेंगे। क्योंकि यह नया नाटो जैसा समूह भारत को मध्य पूर्व-यूरोप तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करेगा। लिहाजा, इस नई स्थिति का प्रमुख लाभ रणनीतिक ऊंचाई प्राप्त करना है।

इससे दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में भारत की गिनती बढ़ेगी, और कट्टरपंथ और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनेगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि अमेरिका-चीन जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद के द्वंद्व में उलझे हुए हैं।

जहां तक भारत की आर्थिक पहुंच की बात है तो आईएमईसी गलियारे से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक सीधा सुरक्षित मार्ग मिलेगा, जो चीन के बीआरआई को चुनौती देता हुआ प्रतीत होगा।वहीं भारत को तकनीकी सहयोग मिलेगा। खासकर एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, डिफेंस (मिसाइल, ड्रोन) और सुरक्षा साझेदारी मजबूत होगी।

इसका क्षेत्रीय प्रभाव यह पड़ेगा कि अरब-अफ्रीकी देशों से भारत के संबंध मजबूत होंगे, और अमेरिका के बिना भी भारत का स्वतंत्र सुरक्षा तंत्र मजबूत बना रहेगा। वहीं अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा से ये सभी लाभ औपचारिक हो सकते हैं, जो भारत को वैश्विक पावर बैलेंस में मजबूत बनाएंगे।

हेक्सागन गठबंधन बनेगा चीन के लिए चुनौती

सच कहूं तो हेक्सागन गठबंधन चीन के लिए चुनौती है क्योंकि यह चीन के वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट को सीधे चुनौती देगा। खासकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा को मजबूत कर यह वैकल्पिक व्यापार मार्ग बनाएगा। इसका प्रमुख कारण आर्थिक प्रतिस्पर्धा है। आईएमईसी से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक चीन-बिना सीधा रास्ता, बीआईआई के प्रभाव को कम करेगा।

इस नए गठबंधन से चीन की रणनीतिक घेराबंदी भी आसान होगी, क्योंकि नया एशियाई-अरब-अफ्रीकी देशों का समूह चीन के मध्य पूर्व विस्तार को रोकेगा। जहां तक भारत की भूमिका की बात है तो भारत को महाशक्ति केंद्र बनाकर चीन के क्षेत्रीय वर्चस्व को चुनौती दी जा सकती है। जबकि तकनीकी व सुरक्षा के दृष्टिगत एआई, क्वांटम सहयोग से चीन की तकनीकी श्रेष्ठता पर असर पड़ेगा। जहां तक वैश्विक प्रभाव की बात है तो यह क्वाड/आईएमईसी जैसी पहलों का विस्तार बनेगा, जो चीन के विस्तारवाद को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

क्या हेक्सागन गठबंधन क्वाड या अकुस से अलग है?

हां, हेक्सागन गठबंधन क्वाड और एकुस से स्पष्ट रूप से अलग है। यह इजरायल-प्रमुखित मध्य पूर्व-केंद्रित रणनीतिक समूह है, जबकि क्वाड और एकुस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर केंद्रित हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

असली और नकली गुलाल की पहचान कैसे करें

होली के त्योहार की पहचान उसके रंग और मौज मस्ती होती है। रंग-बिरंगे कलर्स से नहाए मुस्कुराते चेहरे त्योहार की रौनक को दोगुना कर देते हैं। होली का पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे जीवन में प्रेम, एकता, और सकारात्मकता को बढ़ावा देने का समय है। यह समय होता है जब हम अपने पुराने तनावों को त्याग कर एक नई शुरुआत करते हैं और समाज में खुशियां फैलाते हैं। होलिका दहन वह समय होता है जब लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर बुराई पर अच्छाई की विजय का जश्न मनाते हैं। लेकिन होली की मस्ती और रंगों के बीच हर साल मिलावट का जहर घोल दिया जाता है। बाजार में 'हर्बल' रंगों के नाम पर धड़ल्ले से बिकने वाले केमिकल युक्त गुलाल आपकी त्वचा और आंखों के लिए किसी खतरे से कम नहीं हैं। थोड़े से फायदे के लिए मुनफाखोर आपकी सेहत से खिलवाड़ कर देते हैं। केमिकल वाले रंगों के पैकेट पर 'हर्बल' रंग का ठप्पा लगाकर धड़ल्ले से बेच दिया जाता है। जिसका नतीजा अगले दिन अखबार की सुर्खियों में दिखता है। ऐसे में इस नुकसान से बचने और सेहत को अच्छा बनाए रखने के लिए आइए जानते हैं कैसे करें असली और नकली होली के गुलाल की पहचान।

असली और नकली गुलाल की पहचान कैसे करें

1. चमक और बनावट

नकली गुलाल- अगर गुलाल में चमकीले कण (Mica या कांच का पाउडर) दिखाई दें, तो समझ लें कि यह पूरी तरह केमिकल युक्त है। असली हर्बल गुलाल कभी नहीं चमकता।

असली- प्राकृतिक गुलाल दिखने में थोड़ा 'मैट' (Matte) जैसा होता है और हाथ लगाने पर आटे या टैलकम पाउडर जैसा महीन महसूस होता है।

2. खुशबू से पहचान

नकली- नकली गुलाल में तेज स्पिरिट्स, एसिड या बहुत स्ट्रॉन्ग परफ्यूम जैसी गंध आती है, जो नाक में चुभती है।

असली- हर्बल गुलाल में फूलों, जड़ी-बूटियों या चंदन की हल्की और सोंधी खुशबू आती है। लेकिन अगर यही खुशबू बहुत तेज है, तो सावधान हो जाएं।

3. पानी वाला टेस्ट

नकली- खरीदे हुए गुलाल को थोड़े से पानी में घोलें। अगर वह पानी में पूरी तरह नहीं घुलता, नीचे बैठ जाता है या पानी पर तेल जैसी परत छोड़ता है, तो वह मिलावटी है।

असली- असली हर्बल गुलाल पानी में आसानी से घुल जाता है और पारदर्शी रंग बनाता है।

4. रगड़कर चेक करें

नकली- अगर गुलाल नकली है तो इसे सूखी त्वचा पर रगड़ने से हल्की जलन या खुजली महसूस हो सकती है। साथ ही, यह साबुन से धोने के बाद भी त्वचा पर गहरा दाग छोड़ देता है।

असली- हर्बल गुलाल लगाने पर त्वचा पर कोई जलन नहीं होती और यह सिर्फ पानी से धोने पर ही आसानी से साफ हो जाता है।

5. कपड़े पर दाग

नकली- नकली गुलाल कपड़े पर लगने पर

उसके रेशों के अंदर तक समा जाता है और धोने के बाद भी अपना रंग छोड़ देता है।

असली- असली प्राकृतिक गुलाल अगर कपड़ों पर लग जाए, तो झाड़ने से या एक धुलाई में निकल जाता है।

इस उपाय से दूर होंगी कई परेशानियां

होलिका दहन के बाद घर जरूर लाएं राख

होलिका दहन होली का सबसे पवित्र और शुभ हिस्सा है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और इसकी अग्नि को अत्यंत पवित्र माना जाता है। होलिका दहन की राख में विशेष शक्तियां होती हैं, जो घर लाकर विभिन्न उपाय करने से कई तरह की परेशानियां दूर हो सकती हैं। 2026 में होलिका दहन 2 मार्च की रात को किया जाएगा। इस दिन राख को घर लाकर कुछ सरल उपाय करने से नवग्रह शांति, आर्थिक तंगी से मुक्ति, स्वास्थ्य लाभ, घर में सुख-शांति और नजर दोष से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानते हैं होलिका दहन की राख से जुड़े ये कारगर उपाय।

होलिका दहन की राख का महत्व

होलिका दहन की अग्नि भगवान नरसिंह की शक्ति और प्रह्लाद की भक्ति का प्रतीक है। इसकी राख में नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने की क्षमता होती है। ज्योतिष और वास्तु के अनुसार, होलिका की राख घर लाकर रखने या उपाय करने से नवग्रह पीड़ा, बुरी नजर, आर्थिक संकट, स्वास्थ्य समस्या और घरेलू कलह दूर हो सकती है। राख को कभी फेंकना नहीं चाहिए, बल्कि इसे सम्मान से घर में रखकर उपाय करने चाहिए। राख का तिलक लगाने या छिड़काव करने से भी विशेष लाभ मिलता है।

नवग्रह शांति के लिए राख का उपाय

नवग्रह पीड़ा से परेशान लोग होलिका दहन की राख को शिवलिंग पर चढ़ाएं। साथ ही, राख को नहाने के पानी में थोड़ा-सा मिलाकर स्नान करें। ऐसा करने से नवग्रह दोष शांत होते हैं और ग्रहों की कृपा बढ़ती है। राख को शिवलिंग पर चढ़ाने से शनि, राहु-केतु जैसे कष्टकारी ग्रहों का प्रभाव कम होता है। यह उपाय जीवन में स्थिरता और शांति लाता है। कई लोग इस राख को घर के मंदिर में रखकर रोजाना पूजा करते हैं, जिससे ग्रहों की अनुकूलता बनी रहती है।

आर्थिक तंगी से मुक्ति के लिए राख का उपाय

आर्थिक संकट या धन की कमी से परेशान लोग होलिका की राख को लाल कपड़े में बांध लें। उसमें 7 सफेद कौड़ियां डालकर तिजोरी या धन स्थान पर रख दें। ऐसा करने से धन का प्रवाह बढ़ता है और आर्थिक रुकावटें दूर होती हैं। राख में कौड़ियां डालने से लक्ष्मी जी की कृपा मिलती है। यह उपाय हर साल होली पर दोहराने से दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता आती है। कई लोग इस राख को धन के स्थान पर रखकर रोजाना गंगाजल छिड़कते हैं।

बीमारी से छुटकारे के लिए राख का उपाय

लंबी बीमारी या बार-बार स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोग होलिका की राख को प्रभावित व्यक्ति के माथे पर लगाएं। ऐसा लगातार 21 दिन तक करें। राख का तिलक लगाने से रोग नाश होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह उपाय शारीरिक और मानसिक रोगों दोनों में लाभकारी है। राख को पानी में

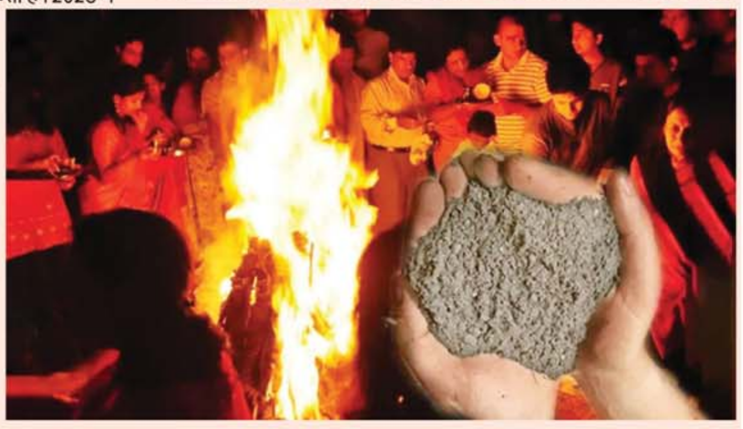

मिलाकर पीने से भी कुछ लोग लाभ लेते हैं। यह उपाय होलिका की पवित्र अग्नि की शक्ति से रोगों को जड़ से खत्म करने में मदद करता है।

घर में शांति और नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए राख का उपाय

घर में लगातार कलह, झगड़े या नकारात्मक माहौल रहने पर होलिका की राख को घर के कोनों में छिड़क दें। राख को किसी गुप्त स्थान पर रखकर घर में लोबान का धुआं दिखाएं। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सुख-शांति का वास होता है। राख को मुख्य द्वार पर भी छिड़क सकते हैं। यह उपाय घर को बुरी नजर और नकारात्मक शक्तियों से बचाता है। कई परिवार इस राख को मंदिर में रखकर रोजाना पूजा करते हैं।

नजर दोष से मुक्ति के लिए राख का उपाय

बुरी नजर से परेशान लोग होलिका की राख में नमक और राई मिलाकर किसी गुप्त स्थान पर रख दें। जब किसी को नजर लगे, तो इस राख को 7 बार उसके सिर से फेरकर चौराहे पर फेंक दें। यह उपाय नजर दोष को तुरंत दूर करता है और भाग्य के रास्ते खोलता है। राख को घर में रखने से भविष्य में नजर नहीं लगती। यह उपाय शनिवार या होली के दिन विशेष रूप से प्रभावी होता है। होलिका दहन की राख को घर लाकर इन उपायों को अपनाएं। इससे धन-समृद्धि बढ़ती है, ग्रह दोष शांत होते हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। होली की राख जीवन की नकारात्मकता को जला देती है और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपका दिन बेहतर रहेगा। अतिरिक्त आय के साधन बनेंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से भी धन लाभ होगा। सामाजिक गतिविधियों में पूरा समय ना दे पाने से लोगों से किसी से नाराजगी न होने दें। संध्या का समय मनोरंजन वाला रहेगा।

वृषभ राशि - आज का दिन मिश्रित फल देगा पूर्वार्ध में सेहत थोड़ी नरम रह सकती है जिसके कारण आलस्य भी रहेगा। काम बेमन से करने पड़ेंगे व्यवहार में भी रुखापन रहने से संबंधो में खटास रहेगी। धीरे धीरे स्थिति में सुधार होगा कार्य स्थल पर महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी।

मिथुन राशि - आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। जिस भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे।

कर्क राशि - आज बनते कार्यो में रुकावट आने से अधिक भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। मध्यान तक थोड़े बहुत कार्य सफल होने से धन की आमद होगी परन्तु खर्च भी अधिक रहने से बचत नहीं कर पाएंगे। दोपहर के बाद से घर एवं बाहर सहयोगी वातावरण बनने से कार्यो में सरलता रहेगी।

सिंह राशि - आज के दिन आप व्यापारिक गतिविधियों की व्यस्तता के चलते परिवार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाएंगे। वाणी एवं व्यवहार के बल पर कार्यो में थोड़े परिश्रम से अधिक सफलता मिल सकेगी। मनोबल भी आज बढ़ा हुआ रहेगा।

कन्या राशि - आज आप अधिक लापरवाह रहने के कारण हानि उठा सकते है। प्रात: काल से ही यात्रा पर्यटन की योजना बनेगी परन्तु इसमें व्यवधान भी आएंगे। कार्य क्षेत्र पर अल्प लाभ से संतोष करना पड़ेगा। नौकरों के ऊपर ज्यादा विश्वास हानि का कारण बन सकता है। वाणी में कठोरता रहने से घर में कलह रहेगी।

तुला राशि-व्यवसाय के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास आज फलीभूत होने से आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को भी रोजगार मिलने की सम्भावना अधिक है। आपसे वाद-विवाद में कोई नहीं जीत पायेगा। बड़बोलेपन के कारण महिलाओं से मतभेद हो सकते है।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपको सुख शांति प्रदान करेगा। कुछ दिनों से चल रही मानसिक खींच तान कम होने से राहत अनुभव होगी। कार्य क्षेत्र पर केवल धन लाभ पाने के उद्देश्य से कार्य ना करे व्यवहार में कुशलता एवं मिठास रखने से अप्राप्त लक्ष्मी भी प्राप्त कर सकते है।

धनु राशि- आज के दिन आप कार्य क्षेत्र से कुछ समय निकालकर मित्र परिवार के साथ मनोरंजन में व्यतीत करेंगे परन्तु आज गलतफहमियों से दूर रहना अति आवश्यक है व्यर्थ के टकराव होने की संभावना है। परोपकार का शुभ फल भी मिलने से प्रसन्नता भी रहेगी।

मकर राशि - आज के दिन आप भावनाओ में बहकर अनुचित कदम उठा सकते है। लोगो के बहकावे में ना आये अन्यथा मान हानि कोर्ट-कचहरी की नौबत आ सकती है। प्रेम प्रसंगों से आज दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा। आलसी प्रवृति का लाभ प्रतिस्पर्धी उठा सकते है सावधान रहें। धन लाभ के लिये आज विशेष परिश्रम करना पड़ेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। सेहत लगभग सामान्य रहेगी। आज किसी अनुबंध के आगे रुकने से धन लाभ की कामना अधूरी रहेगी। व्यवसाय के ऊपर अधिक ध्यान देने के बाद भी कार्य विलम्ब से पूर्ण होंगे लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु धनागम के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग भी गर्म हो सकते हैं।

मीन राशि- आज के दिन ग्रह स्थिति में थोड़ा बदलाव आने से आपको घरेलु मामलो में सफलता मिलेगी। परन्तु आज कार्य क्षेत्र पर अन्य व्यक्ति आपकी कमजोरी का फायदा उठा सकता है। आज किसी के आगे समर्पण कर सकते है इसका फल शुभ ही रहेगा। बाहरी स्थान के कार्यो में सफलता की संभावना ज्यादा रहेगी।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

घर पर होली के लिए एक शानदार दावत

भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में, रंगों के त्योहार के रूप में प्यार से पुकारा जाने वाला होली का पूरे देश में गहरा महत्व है। यह रंगों से सने होने, बुराई पर अच्छाई की जीत का स्मरण करने और पौराणिक कथाओं को सुनाने के साथ मनाया जाता है। त्योहार की भावना परिवारों और दोस्तों को एक साथ लाती है और धीरे-धीरे होली के स्वादिष्ट पकवानों की दावत शुरू हो जाती है। क्या आप इस मौसम में चखने लायक स्वादिष्ट व्यंजनों के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं? यदि हां, तो हमारे साथ बने रहें क्योंकि हम आपको होली के प्रसिद्ध पकवानों के बारे में बता रहे हैं जो आपके घर पर होली की पार्टी के लिए एक शानदार दावत का हिस्सा बन सकते हैं।

होली के पारंपरिक व्यंजन: अवश्य आजमाएं

होली के त्योहार के विवरण में, देश भर में खाई जाने वाली कुछ पारंपरिक मिठाइयाँ और नमकीन व्यंजन इस प्रकार हैं:

मालपुआ

होली की अन्य लोकप्रिय मिठाइयों में से एक है स्वादिष्ट मालपुआ। यह मैदा, केले और दूध से बना एक नरम, तला हुआ, सुनहरा भूरा पैनकेक होता है। सुगंधित चीनी की चाशनी में डूबा हुआ यह कुरकुरा मालपुआ मुंह में घुल जाने वाला एक ऐसा व्यंजन बन जाता है जिसे इस त्योहार के मौसम में ज़रूर चखना चाहिए।

दही वड़ा

यह व्यंजन सभी को बहुत पसंद आता है और इसे लोग बचपन की मस्ती में अपने करीबी दोस्तों पर रंगीन पाउडर और पानी छिड़कते हुए खाते हैं। दही वड़ा बनाने के लिए दाल के घोल को नरम और कुरकुरा होने तक तलना पड़ता है। इन स्वादिष्ट पकौड़ों को ठंडे दही में डुबोकर इमली-पुदीने की चटनी, चुटकी भर चाट मसाला और जीरा पाउडर के साथ परोसा जाता है।

गुजिया

अगर आपको होली के तले हुए पकवान पसंद हैं, तो गुजिया आपके लिए ही है। यह मिठाई अर्धचंद्राकार आकार की होती है, जिसे परिष्कृत आटे से बनाया जाता है, जिससे इसकी बाहरी परत कुरकुरी और परतदार हो जाती है। मेवों से भरी इस परत के अंदर खोया (दूध के ठोस पदार्थ), चीनी और बादाम, पिस्ता और काजू जैसे सूखे मेवों की मीठी और लजीज भराई होती है।

धुस्का

झारखंड के आदिवासी बहुल इलाके से मशहूर है धुस्का। यह चावल और चने की दाल से बना एक स्वादिष्ट नाश्ता है। इसे बनाने के बाद, घोल को सुनहरा भूरा होने तक तला जाता है। धुस्का को गरमागरम तवे से उतारकर मसालेदार आलू की करी या चटनी के साथ खाया जाता है।

रंगा दिमा

असम में रंगा दिमा का अर्थ है लाल अंडे। यह होली के अवसर पर क्षेत्र में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक व्यंजन है, जिसे दौल उत्सव के उपलक्ष्य में बनाया जाता है। यह व्यंजन सरल होते हुए भी मसालेदार होता है, जो इस त्योहारी मौसम में स्वाद को विविधता प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए उबले हुए अंडों पर हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर लगाकर उन्हें अच्छी तरह से तला जाता है।

होली पर लड़कियों को जरूर फॉलो करने चाहिए ये 7 सेफ्टी टिप्स

ली रंग, मस्ती और खुशियों का त्योहार है। लेकिन मस्ती के इस त्योहार का मजा उस समय बदरंग हो जाता है, जब हुड़दंग की आड़ में कुछ असामाजिक तत्व लोगों को परेशान करने लगते हैं। भीड़भाड़ और गुलाल के पीछे छिपे इन 'मनचलों' से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर लड़की को ये 7 बातें जरूर ध्यान रखनी चाहिए। इन 7 होली सेफ्टी टिप्स को ध्यान में रखने से आप बिना किसी डर और परेशानी के रंगों के उत्सव होली का मजा ले पाएंगी। आइए जानते हैं क्या है होली के दौरान बरती जाने वाली ये 7 सावधानियां।

समूह में ही बाहर निकलें

होली खेलने के लिए कभी भी अकेले सुनसान रास्तों पर न निकले। हमेशा अपने दोस्तों या परिवार के साथ ही होली खेलें। हुड़दंगी अक्सर अकेले व्यक्ति को देखकर ही बदतमीजी करने की हिम्मत जुटाते हैं।

अनजान लोगों से दूरी बनाएं

अक्सर 'बुरा न मानो होली है' का जुमला कहकर असामाजिक तत्व करीब आने की कोशिश करते हैं। यदि कोई जबरदस्ती रंग लगाने की कोशिश करे या आपको असहज महसूस करवाए, तो तुरंत वहां से हटते हुए स्पष्ट रूप से 'ना' कहें।

होली खेलने के लिए सुरक्षित स्थान का चुनाव करें

होली खेलने के लिए कोशिश करें कि अपनी ही सोसाइटी, मोहल्ले या किसी सुरक्षित जगह का चुनाव करें। होली खेलने के लिए सड़क या ऐसे इलाकों में जाने से बचें जहां शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के होने की संभावना बनी रहती हो।

मोबाइल पर इमरजेंसी नंबर सेव रखें

अपने फोन को वॉटरप्रूफ पाउच में रखें और स्पीड डायल पर परिवार या पुलिस (100/112) का नंबर सेव रखें। किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत मदद के लिए शोर मचाएं और आसपास के लोगों को सूचित करें।

पहनावे पर दें ध्यान

होली खेलने के लिए हमेशा ऐसे कपड़े पहनें जो आरामदायक होने के साथ आपकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हों। बहुत ज्यादा ढीले या पारदर्शी कपड़े पहनने से बचें। ऐसे कपड़े रंग और पानी के संपर्क में आने के बाद आपको असहज महसूस करवा सकते हैं।

नशे में डूबे लोगों से बचकर रहें

होली के दिन भांग या शराब के नशे में धुत लोग अक्सर अपनी मर्यादा भूल जाते हैं। ऐसे लोगों के समूहों को देखते ही अपना रास्ता बदल लेने में ही समझदारी है। बहस करने से मामला बिगड़ सकता है।

हाँ, मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ

हाँ, मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ,
क्योंकि मुझे अपनी संस्कृति से प्यार है।
सुबह की पहली किरण के साथ ही ईश्वर के दर्शन कर लेती हूँ,
उनके चरणों में नतमस्तक होकर श्रद्धा के फूल चढ़ाती हूँ,
और अपना दिन सँवार लेती हूँ।

हाँ, मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ—
माता-पिता, सास-ससुर की तस्वीर के आगे
शीश झुकाकर
उनका आशीष माँग लेती हूँ।
ये मेरे संस्कारों की महक है,
मेरे घर की पहचान है।

बड़ों से ऊँची आवाज़ में बोलना अच्छा नहीं लगता,
उनसे बहस करना मेरा स्वभाव नहीं।
ध्यान और धैर्य से उनकी बातें सुनती हूँ,
और यदि कोई बात अच्छी नहीं लगे तो बाद में बड़े
स्नेह से समझा देती हूँ—
क्योंकि रिश्तों में तकरार नहीं, मधुरता को स्थान देती हूँ।

किसी भी नशे की गुलाम नहीं हूँ,
न शराब को आधुनिकता की पहचान मानती हूँ।
मेरे लिए आधुनिक बनने का अर्थ
चरित्र, विचार और व्यवहार में निखार है—
शराब के पैमाने पर नहीं।

बेटा-बेटी मेरे लिए समान हैं,
पर देर रात तक उनका अकेले बाहर घूमना
मुझे आज भी नहीं सुहाता।
हाँ, मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ।
शिक्षा की पक्षधर हूँ,
पर साथ में संस्कारों की पाठशाला भी ज़रूरी मानती हूँ।
आधुनिकता के नाम पर फूहड़पन
मेरे मन को नहीं भाता।

मेरे लिए आधुनिकता हैं
व्यवहार में विनम्रता,
दूसरों को सम्मान देना,
अपनी संस्कृति को संजोना,
उदार विचारों की गर्माहट फैलाना।

लिव-इन रिलेशन संबंधों का अर्थ आज भी
पूर्ण रूप से समझ नहीं पाती,
क्योंकि ज़िम्मेदारियों से भागना मेरे मन को नहीं सुहाता।
मेरे लिए शादी कोई बंधन नहीं,
बल्कि पवित्र अग्नि की साक्षी में लिए गए सात फेरे हैं,
जो जन्म-जन्मांतर तक साथ निभाने की सीख देते हैं—
इन्हीं से घर की नींव बसती है।

तनाव की छोटी लहरों पर
तलाक का तूफ़ान खड़ा कर देना—
मेरी समझ में नहीं आता।
घर तो त्याग, धैर्य और संवेदनशीलता से बनते हैं;
बच्चों का भविष्य भी
इन्हीं चार दीवारों की मजबूती पर टिकता हैं।
हाँ, कोई बड़ा कारण हो, तो बात अलग,
पर छोटी-छोटी बातों पर अलग हो जाना,
मन को अच्छा नहीं लगता।

हमारी माँ, दादियाँ, नानियाँ—
कम साधनों में भी हमसे कहीं अधिक खुश रहती थीं।
संतोष उनका आभूषण था,
सम्मान उनका स्वभाव,
और परिवार को जोड़ने की अद्भुत क्षमता
उनकी पहचान।
घर की चारदीवारी में रहकर भी अपने
धार्मिक और सामाजिक जीवन को वे पूर्णता से जी लेती थीं।

आज सब कुछ है,
फिर भी रिश्तों में अजीब-सा खालीपन,
भावनाओं में दूरी, संवाद में कड़वाहट।
क्यों न थोड़ा सामंजस्य बिठाएँ—
कुछ पुराना संभालें, कुछ नया अपनाएँ,
रिश्तों में मधुरता घोलें,
प्यार से जीवन सँवारें।

बेटियों को आकाश दें,
उनकी सहेली बनें,
उनका हाथ थामें।
पर स्त्री-पुरुष को प्रतिस्पर्धा का मैदान क्यों बनाएँ?
दोनों की अपनी-अपनी महिमा है—
न कोई कम, न कोई अधिक।

हाँ, मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ,
पर आधुनिकता से दूर नहीं।
अपना व्यक्तित्व गढ़ती करती हूं, अपना अस्तित्व सँवारती हूँ,
पर परिवार को साथ लेकर चलती हूँ।
'मैं' से अधिक 'हम' में विश्वास रखती हूँ।

संस्कार मेरी धरोहर हैं,
शालीनता मेरी पहचान,
और मुझे इस पर गर्व है।

हाँ मैं कुछ-कुछ पुराने ख़यालों की हूँ।

-मंजू लोढ़ा, स्वरचित

संक्षिप्त समाचार

नेस्तनाबूद कर देंगे, अफगानिस्तान से युद्ध पर ही तुले हैं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल बन गया

है। पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक का बदला लेने के लिए अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन के इलाके में हमला किया तो पाकिस्तान ने सीधा राजधानी काबुल को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने काबुल की 12 चौकियों पर कब्जा कर लिया है। वहीं अफगानिस्तान ने इसे आतंकी हमला बताया है। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना हमलावरों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हमारी सेनाओं के पास हमलावरों को कुचलने की ताकत है। इस स्थिति में पूरा देश सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

स्पेसएक्स क्रू-11 की समय से पहले वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने स्पेसएक्स के क्रू-11 मिशन की समय से पहले वापसी को लेकर जानकारी दी है। अंतरिक्ष यात्री माइक फिंके ने बताया कि 7 जनवरी को अंतरिक्ष स्टेशन पर उन्हें स्वास्थ्य समस्या हुई, इसके बाद सभी चार सदस्यों को निर्धारित समय से पहले लौटाने का फैसला किया। नासा के अनुसार यह आपात स्थिति नहीं थी, बल्कि उन्नत मेडिकल जांच के लिए कदम था। क्रू-11 का कैप्सूल 15 जनवरी को सैन डिएगो तट के पास सुरक्षित उतरा और साढ़े पांच माह का मिशन पूरा हुआ।

पेंटागन ने ज्वाइंट स्टाफ निदेशक पद से वाइस एडमिरल को हटाया

पेंटागन, एजेंसी। पेंटागन ने अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल फ्रेड कैचर को ज्वाइंट स्टाफ के निदेशक पद से हटा दिया है। कैचर ने दिसंबर में ही यह पद संभाला था। प्रवक्ता ने पुष्टि की कि कायर अब अमेरिकी नौसेना में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे, लेकिन हटाने का कारण नहीं बताया। सूत्रों के अनुसार वे इस पद के लिए उपयुक्त नहीं माने गए, हालांकि किसी विशेष वजह का खुलासा नहीं हुआ। डेन केन ने उनके योगदान की सराहना की। कैचर इससे पहले जापान स्थित अमेरिकी सातवें बेड़े के कमांडर और यूएस नेवल अकादमी के प्रमुख रह चुके हैं।

रिटायर्ड पायलट ने चीन में दी ट्रेनिंग, गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर पूर्व अमेरिकी वायु सेना के एलीट फाइटर पायलट और एफ-35 प्रशिक्षक गेराल्ड एडी ब्राउन जूनियर को चीनी सैन्य पायलटों को गुप्त रूप से लड़ाकू प्रशिक्षण देने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए आइजनबर्ग ने कहा, अमेरिकी वायु सेना ने मेजर ब्राउन को एक विशिष्ट लड़ाकू पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया था और राष्ट्र की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपी थी। सैन्य करियर में संवेदनशील इकाइयों का नेतृत्व, युद्ध अभियानों का संचालन और एफ-4, एफ-15, एफ-16, एफ-10 तथा एफ-35 जैसे विमानों पर लड़ाकू पायलट एवं सिम्युलेटर प्रशिक्षक के रूप में सेवा शामिल थी।

हांगकांग कोर्ट ने जिमी लाई की धोखाधड़ी में मिली सजा रद्द की

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग की अपीलीय अदालत ने पूर्व मीडिया कारोबारी जिमी लाई को राहत देते हुए उनकी धोखाधड़ी मामले में सजा रद्द कर दी। 78 वर्षीय लाई ने बंद हो चुके अखबार एपल डेली की स्थापना की थी और वे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। हालांकि, उन्हें हाल ही में चीन की ओर से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक अन्य मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है।

एक दामाद, दूसरा लंगोटिया यार! ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े विवादों की किस्मत दो लोगों के हाथों में सौंपी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर और दोस्त स्टीव विटकॉफ यूक्रेन-रूस युद्ध और ईरान संकट सुलझाने जिनेवा पहुंचे। जानिए ट्रंप की इस नई कूटनीति, 24 घंटे में हुई ताबड़तोड़ बैठकों और इससे जुड़े विवादों की पूरी इनसाइड स्टोरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दामाद जेरेड कुश्नर और पुराने दोस्त स्टीव विटकॉफ को दो सबसे बड़े वैश्विक संकटों- यूक्रेन युद्ध और ईरान के साथ चल रहे तनाव को सुलझाने की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। गुरुवार को इन दोनों ने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में कुछ ही घंटों के भीतर इन दोनों गंभीर मुद्दों पर अलग-अलग बैठकें कीं।

इन दोनों दूतों का जिनेवा दौरा बेहद व्यस्त और कूटनीतिक हलचलों से भरा रहा। सबसे पहले उन्होंने ओमान के राजदूत के आवास पर ईरानी अधिकारियों से मुलाकात की। इसका उद्देश्य तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर एक समझौते पर मुहर लगाना और अमेरिका तथा इजरायली बलों द्वारा किए जा सकने वाले संभावित बड़े हमले को रोकना था। इसके कुछ घंटों बाद, वे इंटरकॉन्टिनेंटल होटल गए जहां उन्होंने यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बैठक की। ध्यान रहे, रूसी आक्रमण अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर

चुका है। इसके बाद वे फोर सीजन्स होटल गए, जहां उन्होंने अलग-अलग मंजिलों पर रूस और यूक्रेन के दूतों से मुलाकात की। इसके बाद वे फिर से ओमान के राजदूत के आवास पर गए और गुरुवार देर रात अमेरिका लौटने वाले थे। इन दोनों की भूमिका केवल यूरोप और ईरान तक सीमित नहीं है। एक हफ्ते से भी कम समय पहले, कुश्नर और विटकॉफ ने बोर्ड ऑफ पीस की उद्घाटन बैठक में भी हिस्सा लिया था। यह संस्था गाजा पट्टी में हमास और इजरायल के बीच लड़ाई रोकने के लिए उनके द्वारा कराए गए युद्धविराम समझौते के तहत बनाई गई थी। ट्रंप की रणनीति- भरोसेमंद बनाम सरकारी तंत्र यह पूरी कवायद ट्रंप की कूटनीतिक रणनीति को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। वे अमेरिकी सरकार के विशाल और पारंपरिक कूटनीतिक तंत्र (जैसे विदेश विभाग) पर निर्भर रहने के बजाय अपनी सबसे जरूरी प्राथमिकताओं के लिए अपने भरोसेमंद सहयोगियों (दामाद और दोस्त) पर भरोसा कर रहे हैं।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि दो लोगों के लिए एक साथ तीन इतनी बड़ी और जटिल वार्ताओं को संभालना असंभव सा है। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के वरिष्ठ फेलो और पूर्व वार्ताकार आरोन डेविड मिलर ने कहा- यह बात गले से नहीं उतरती कि राष्ट्रपति के सबसे अच्छे दोस्त और उनके दामाद एक ही समय में इन तीनों वार्ताओं का प्रबंधन कर सकते हैं। इनमें से हर वार्ता अपने आप में विवरणों का एक महासागर है। व्हाइट हाउस का बचाव- एक अमेरिकी अधिकारी ने इनका बचाव करते हुए कहा कि इन दोनों का सफलता का ट्रैक रिकॉर्ड खुद बोलता है। वे अपने समय का बेहतरीन प्रबंधन करते हैं। उनका व्यावसायिक बैकग्राउंड विश्व नेताओं के साथ बातचीत में मदद करता है और उन्हें नियमित रूप से खुफिया अधिकारियों द्वारा ब्रीफ किया जाता है।

कुश्नर और विटकॉफ की इस भूमिका पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि मध्य पूर्व में उनके बड़े व्यावसायिक हित जुड़े हुए हैं। जेरेड कुश्नर- इनकी निवेश फर्म एफिनिटी पार्टनर्स अरबों डॉलर का प्रबंधन करती है, जिसमें कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड का पैसा भी शामिल है। स्टीव विटकॉफ- इनकी क्रिप्टो फर्म वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल में हिस्सेदारी है, जो अबू धाबी सरकार से जुड़े फंड्स सहित मध्य पूर्व में सौदे कर रही है। इसके अलावा, विटकॉफ और रूस के वार्ताकार किरिल दिमित्रीव (जो रूस के वेल्थ फंड के प्रमुख भी हैं) ने युद्ध के बाद ऊर्जा, डेटा सेंटर आदि को लेकर आर्थिक समझौतों पर चर्चा की है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस ने चिंता जताते हुए कहा कि वे अच्छे व्यापारी हो सकते हैं, लेकिन वे सीनेट की मंजूरी या किसी सरकारी निगरानी के अधीन नहीं हैं।

महिलाओं को किस करते देख भड़की पुलिस, गिरफ्तार किया; हो सकती है उम्रकैद

कंपाला, एजेंसी। अफ्रीकी देश युगांडा में दो युवा महिलाओं द्वारा सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को किस करने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय सरकार द्वारा पारित किए गए कानून के मुताबिक इन महिलाओं को उम्रकैद की सजा भी हो सकती है। दुनिया में आज भी कई ऐसे देश हैं, जिनमें समलैंगिकता को जघन्य अपराध माना जाता है। युगांडा भी उन्हीं देशों में से एक है। यहां पर दो युवा महिलाओं को खुले आम प्यार का इजहार करना महंगा पड़ गया।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दोनों महिलाओं को किस करते हुए देखा गया, चूंकि यह देश के कानून के खिलाफ है, इसलिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के बयान के मुताबिक एक महिला की उम्र करीब 22 साल है, जबकि दूसरी की उम्र करीब 21 साल है। दोनों को देश के अरुआ शहर से गिरफ्तार किया गया है, जहां पर वह खुले आम किस करने और असामान्य कृत्यों में संलिप्त थीं, जिन्हें यौन प्रकृति का माना जाता है।

आपको बता दें, युगांडा में वर्ष 2023 में एंटी होमोसेक्सुएलिटी एक्ट लागू किया गया है। देश की सरकार द्वारा लागू किए गए इस कानून का पश्चिमी देशों ने भरपूर विरोध किया था लेकिन यहां की सरकार सबसे कठोर एलजीबीटीक्यू विरोधी कानून लागू करने पर लगी हुई है। इस कानून के तहत समलैंगिक संबंध रखने वाले लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है, जबकि गंभीर मामलों में मृत्युदंड का भी प्रावधान है।

समलैंगिक संबंधों को लेकर युगांडा का कानून सबसे ज्यादा कठोर है। 2023 में पारित किए गए कानून के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति बार-बार समलैंगिक संबंध बनाते पकड़ा जाता है, या ऐसा समलैंगिक संबंध जिससे लाइलाज बीमारी फैलती हो, नाबालिग, बुजुर्ग या दिव्यांग व्यक्ति के साथ समलैंगिक संबंध बनाने पर व्यक्ति को मृत्युदंड दिया जा सकता है।

'जो होना है, वह हमने बता दिया', यूरेनियम संवर्धन पर ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान जिनेवा में दोनों देशों ने वार्ता की। कई घंटों की बैठक के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह गहरी चिंता भरी लंबी बातचीतों में से एक है। जिनेवा में अब तक हुई इन चर्चाओं के बाद कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आशंका बनी हुई है। अब्बास अराघची ने गुरुवार को ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में कहा कि जो कुछ होना है, वह हमारी ओर से साफ कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने बातचीत के विवरण साझा नहीं किए। अमेरिकी पक्ष

की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई और व्हाइट हाउस ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। जिनेवा में हुई कई घंटों की अप्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, उन्होंने भी विस्तार से जानकारी नहीं दी। आगे की वार्ता का दौर अगले सप्ताह वियना में होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय स्थित है। वार्ता समाप्त होने से ठीक पहले ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन जारी रखने के अपने अधिकार पर अडिग है और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहा है। यह रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों से अलग माना जा रहा है। ट्रंप की मांग है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह रोके। इसके साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को समर्थन देना बंद करे।

पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट ने ट्रंप की हत्या का बना लिया था पूरा प्लान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा चलाया गया है। उसपर ईरान के साथ मिलकर अमेरिका में राजनीतिक हत्याओं की साजिश रचने का आरोप है। उसकी टारगेट लिस्ट में डोनाल्ड ट्रंप का भी नाम शामिल था।

ईरान के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गयाहै। आरोपीका नाम आसिफ मर्चेंट है। यह मुकदमा ब्रुकलिन की फेडरल कोर्ट में चलाया गया है। अगर दोष साबित होता है तो उसे उम्र कैद हो सकती है। दावा है कि मर्चेंट के संबंध ईरान की सरकार से थे और 2024 में वह न्यूयॉर्क पहुंचकर ऐसे लोगों से मिला जिन्हें वह अमेरिका में हत्याएं करवाने के लिए भर्ती करना चाहता था। डोनाल्ड ट्रंप भी उसके टारगेट में थे। आसिफ मर्चेंट के बारे में कई जानकारियां अभी एफबीआई ने गुप्त रखी हैं। मर्चेंट ने हत्या की सुपारी लेने वाले समझकर दो लोगों को 5 हजार डॉलर एडवांस भी दिए थे। ये दोनों एफबीआई के अंडरकवर ऑफिसर थे। कोर्ट में वकीलों ने बताया कि मर्चेंट ने राजनेताओं की हत्या का प्लान तो बनाया था हालांकि वह इसे जमीन पर

उतार नहीं पाया और इससे पहले ही पकड़ा गया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो लोग उसके निशाने पर थे उनमें राष्ट्रपति ट्रंप भी शामिल थे। कोर्ट में बताया गया कि आसिफ मर्चेंट होटलों में बैठक करता था और लोगों को अपने टारगेट के बारे में समझाता था। कोर्ट में वीडियो के जरिए बताया गया कि वह किस तरह से खतरनाक प्लान तैयार कर रहा था। मर्चेंट चाहता था कि अमेरिका में चुनाव से पहले राजनीतिक हत्याएं करवाकर माहौल खराब कर दिया जाए।

साल 2000 में जब से अमेरिका के ड्रोन अटैक में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी, तब से ही ईरान अमेरिका में हत्याएं करवाने की फिराक में था। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका आने से पहले आरोपी ईरान में ही रहता था। हालांकि ईरान ने ऐसी किसी भी साजिश से इनकार किया है।

बीते दिनों फ्लोरिडा के फोर्ट पियर्स कोर्ट में डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीचलाने वाले को उम्रकैद की सजा दी गई है। आरोपी खुद को निर्दोष साबित करना चाहता था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह कई हफ्तों से ट्रंप की हत्या की योजना बना रहा था। रयान रूथ नाम के इस शख्स पर आरोप था कि वह ट्रंप के गोल्फ कोर्स के आसपास झाड़िया में छिपा रहता था और उसके पासराइफल भी मौजूद थी।

बांग्लादेश आर्मी हेडक्वार्टर में हलचल तेज

टॉप कमांड में बड़े बदलाव; प्लान क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नई सरकार के सत्ता संभालने के बाद एक सप्ताह के अंदर दूसरा बड़ा फेरबदल किया गया है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल डिफेंस कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद शाहीनुल हक को क्वार्टरमास्टर जनरल के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है। बांग्लादेश में नई सरकार गठन के बाद से ही बैक टू बैक बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। यूं कहें तो बांग्लादेश इस वक्त बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इस बीच बांग्लादेश सेना में उच्च कमान के प्रमुख पदों पर बड़े बदलाव किए गए हैं। नई सरकार के सत्ता संभालने के बाद एक सप्ताह के अंदर यह दूसरा ऐसा बड़ा फेरबदल है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद शाहीनुल हक को क्वार्टरमास्टर जनरल के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है। एनडीसी में उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान ने ली है, जो पहले क्यूएमजी के पद पर थे। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 19वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग

और घटाईल एरिया कमांडर मेजर जनरल हुसैन अल मोर्शेद को सेना मुख्यालय में नया एडजुटेंट जनरल नियुक्त किया गया है। वहीं, मौजूदा एडजुटेंट जनरल मेजर जनरल मोहम्मद हकीमुज्जमान को मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का नया कमांडेंट बनाया गया है। एमआईएसटी के पूर्व कमांडेंट मेजर जनरल मोहम्मद नसीम परवेज को विदेश मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। सेना के अन्य पुनर्गठन के तहत, 66 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी और रंगपुर एरिया कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद कामरुल हसन को ढाका छावनी में लॉजिस्टिक्स एरिया के जीओसी और एरिया कमांडर बनाया गया है। ढाका छावनी में लॉजिस्टिक्स एरिया के पूर्व प्रमुख मेजर जनरल मुहम्मद मोस्तागौसुर रहमान खान नियमित शर्तों पर सेवानिवृत्त हो गए हैं। इससे पहले 22 फरवरी को लेफ्टिनेंट जनरल मैनुर रहमान को बांग्लादेश सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के जीओसी थे। इसके अलावा, सेना में कई अन्य उच्च पदों पर बदलाव किए गए हैं। ये आदेश रविवार दोपहर सेना मुख्यालय से जारी किए गए। सशस्त्र बल डिवीजन के मौजूदा प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन को विदेश मंत्रालय में राजदूत के रूप में भेज दिया गया है। मेजर जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को नया प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे 24वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी थे। मेजर जनरल जेएम इमदादुल इस्लाम को 55वीं इन्फैंट्री डिवीजन से ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर में स्थानांतरित किया गया है।

आरोप- बांग्लादेश सरकार ने डिफाल्टर को सेंट्रल बैंक गवर्नर बनाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि तारिक रहमान की सरकार ने एक डिफाल्टर को कारोबारी को सेंट्रल बैंक गवर्नर बना दिया है, जो देश में भीड़तंत्र की शुरुआत जैसा है।

बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर के रूप में मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख और विपक्ष के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि यह फैसला पीएम की शह पर लिया गया है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सरकार ने अहसान हबीब मंसूर का कार्यकाल अचानक खत्म कर दिया था, जिन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था। मंसूर ने कहा कि उन्होंने न इस्तीफा दिया और न ही उन्हें हटाए जाने की कोई आधिकारिक सूचना मिली। उन्हें यह खबर मीडिया के जरिए पता चली।

मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति इसलिए अलग मानी जा रही है क्योंकि अब तक बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक का गवर्नर आमतौर पर अनुभवी बैंकर, अर्थशास्त्री या वरिष्ठ सिविल सेवक होते रहे हैं। मोस्ताकुर एक कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट और गारमेंट कारोबारी हैं। वे हेरा स्वेटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और हालिया चुनाव में तारिक रहमान की बीएनपी पार्टी की केंद्रीय चुनाव संचालन समिति से भी जुड़े रहे थे।

उनकी नियुक्ति को लेकर कर्ज चुकाने से जुड़े पुराने मामलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीडी न्यूज24 की रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कंपनी 86 करोड़ टका का कर्ज समय पर नहीं चुका पाई थी। एक बैंक अधिकारी ने कहा कि जो इंसान अपनी ही कंपनी के लिए स्पेशल कंडीशन पर कर्ज का पुनर्गठन कराता है,

किम जोंग-उन की साउथ कोरिया को चेतावनी, बोले- खतरा हुआ तो 'पूरी तरह तबाह' कर देंगे

प्योंगयांग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं। प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी

के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है। कांग्रेस के बाद राजधानी में भव्य सैन्य परेड आयोजित की गई, जिसमें किम अपनी बेटी के साथ नजर आए। एक्सपर्ट्स का मानना है कि किम एक ओर अपने परमाणु कार्यक्रम को मजबूती दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ भविष्य की संभावित बातचीत के लिए विकल्प भी खुले रख रहे हैं।

इजरायल में थे पीएम मोदी, इधर पाकिस्तान की नींद हराम हो गई

इजरायल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया इजरायल दौरे ने वैश्विक कूटनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है, और इसका सबसे ज्यादा असर पड़ोसी देश पाकिस्तान पर देखने को मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा एक नए हेक्सागन अलायंस की घोषणा के बाद से ही पाकिस्तान में बौखलाहट का माहौल है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने एक ताजा बयान जारी कर इस गठबंधन को इस्लामी दुनिया के खिलाफ एक साजिश करार दिया है और खुले तौर पर अपनी सुरक्षा को लेकर डर जाहिर किया है।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने गुरुवार को कहा कि वह भारत और इजरायल के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर करीबी नजर

रखे हुए है। यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री मोदी की हालिया इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, टेक्नोलॉजी, ऊर्जा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की घोषणा की है।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत द्वारा इजरायली रक्षा प्रणालियों और प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल को लेकर इस्लामाबाद सतर्क है। उनके अनुसार- हम अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए उत्पन्न खतरे से पूरी तरह अवगत हैं।

पाकिस्तान की बौखलाहट की मुख्य वजह- हेक्सागन अलायंस

पीएम मोदी के दौरे के दौरान, बेंजामिन नेतन्याहू ने एक नए रणनीतिक गुट की रूपरेखा दुनिया के सामने रखी, जिसने पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है।

गठबंधन में कौन-कौन- नेतन्याहू ने ऐलान किया कि इस हेक्सागन अलायंस में इजरायल के साथ भारत, ग्रीस और साइप्रस मुख्य रूप से शामिल होंगे। इसके अलावा कुछ अरब, अफ्रीकी और एशियाई देशों के भी इसमें जुड़ने की बात कही गई है, हालांकि उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है।

इजरायली पीएम ने स्पष्ट किया कि यह अलायंस मिलकर इस्लामी कट्टरपंथी दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ेगा।

नेतन्याहू के इस ऐलान के तुरंत बाद, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना डर और विरोध दर्ज कराया था। अंद्राबी ने इस नए अलायंस को सीधे तौर पर मुस्लिम देशों के खिलाफ एक सोची-समझी साजिश बताया है। पाकिस्तान का मानना है कि कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ाई की आड़ में इस गठबंधन का असली निशाना मुस्लिम राष्ट्र हैं।

पाकिस्तान ने खुले तौर पर माना है कि उसे इस गुट से खतरा है। अंद्राबी ने कहा- हम उन खतरों से पूरी तरह वाकिफ हैं, जो वे (अलायंस के देश) हमारी सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए पैदा करते हैं। अपने डर को छिपाने और अपनी आवाम को ढांढस बंधाने के लिए अंद्राबी ने आगे जोड़ा- हम बताना चाहते हैं कि पाकिस्तान ने दुश्मन ताकतों के किसी भी संभावित हमले को रोकने के लिए अपनी सैन्य तैयारियां पूरी तरह से मजबूत रखी हैं।

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, पहली बार रणजी ट्रॉफी जीती

फाइनल मैच ड्रॉ रहा, कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीत तय हुई

हुबली। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी के इतिहास में नया अध्याय लिख दिया है। पारस डोगरा की कप्तानी में टीम ने पहली बार प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। हुबली के डी.आर. बेंद्रे क्रिकेट स्टेडियम में कर्नाटक के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले का परिणाम ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में मिली विशाल बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजेता घोषित किया गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर ने शानदार शुरुआत की। टीम ने पहली पारी में 584 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुभम पुंडिर ने 121 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि यावेर हसन खान ने 88, साहिल लोतरा ने 72, कन्हैया वधावन और कप्तान पारस डोगरा ने 70-70 रन का योगदान दिया। कर्नाटक की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने पांच विकेट झटके, लेकिन जम्मू-कश्मीर की मजबूत बल्लेबाजी को रोकना आसान साबित नहीं हुआ।

कर्नाटक की पहली पारी महज 293 रनों पर सिमट गई। कप्तान मयंक अग्रवाल ने 160 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन अन्य बल्लेबाज टिक नहीं सके। जम्मू-कश्मीर की ओर से औकिब नबी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए। सुनील कुमार और युदवीर सिंह ने 2-2 जबकि साहिल लोतरा ने 1 विकेट लिया। 291 रनों की भारी बढ़त मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी की शुरुआत धीमी की और शुरुआती 2 विकेट केवल 11 रन पर खो दिए। लेकिन इसके बाद टीम ने जोरदार वापसी की। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल ने 160* और साहिल लोतरा ने 101* रन की नाबाद पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दोनों के बीच 197 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। साहिल लोतरा का शतक पूरा होते ही कप्तान पारस डोगरा ने पारी घोषित कर दी।

इसके बाद मैच ड्रॉ घोषित हुआ, लेकिन पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजेता घोषित कर दिया गया। यह रणजी ट्रॉफी के 67 साल के इतिहास में जम्मू-कश्मीर का पहला खिताब है, जिसने पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ा दी है। शुभम पुंडिर को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि औकिब नबी को पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला। जम्मू-कश्मीर की यह जीत भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बन गई है।

ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत पर जय शाह ने दी बधाई

हुबली में रचे गए ऐतिहासिक पल के बाद जम्मू-कश्मीर की रणजी ट्रॉफी जीत पर देश और दुनिया से शुभकामनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने इस जीत को जज़्बे, संघर्ष और सामूहिक प्रयास का बेहतरीन उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर टीम ने सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं जीती, बल्कि ऐसा इतिहास रचा है जो भारतीय क्रिकेट को नई प्रेरणा देगा। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि खिलाड़ियों के प्रयास जितने सराहनीय हैं, उतना ही महत्वपूर्ण योगदान कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों का भी है, जिन्होंने पर्दे के पीछे लगातार मेहनत की और टीम को हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार किया।

जय शाह ने इस जीत के व्यापक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों को, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं को प्रेरित करेगी। उनके अनुसार यह जीत यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद प्रतिभा और मेहनत हमेशा रास्ता बनाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर की यह सफलता आने वाली पीढ़ी को क्रिकेट की ओर आकर्षित करेगी और क्षेत्र से और अधिक युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाएंगे।बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मनहास ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट को मजबूत बनाने की यात्रा जून 2021 में शुरू हुई थी, जब बोर्ड ने विशेष ध्यान और समर्थन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि वर्षों की लगातार मेहनत, संरचनात्मक बदलाव और खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता ने अंततः टीम को यह शानदार सफलता दिलाई। मनहास के अनुसार यह जीत सिर्फ एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के नए युग की शुरुआत है। यह खिताबी जीत जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई है। अनुभवी नेतृत्व और उभरती प्रतिभाओं के संयोजन ने टीम को घरेलू क्रिकेट की सबसे यादगार और प्रेरक जीतों में शामिल कर दिया है। यह सफलता आने वाले वर्षों में क्षेत्र में क्रिकेट संस्कृति को और मजबूत करेगी और नई उम्मीदों को जन्म देगी।

भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, 'सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।' उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी। लेकिन कमरान इकबाल ने नई गेंद के सामने डटकर बल्लेबाजी की और पहले कप्तान पारस डोगरा तथा फिर अब्दुल समद के साथ अहम साझेदारियां कीं। इसके बाद कमरान और साहिल लोतरा ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से कर्नाटक की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं।

'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

आवासीय प्लॉट के दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस

रेजिडेंशियल प्लॉट पर पैथोलॉजी लैब चलाने का आरोप, 15 दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बावे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे।

सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ ज़िम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

विल जैक्स ने शेन वॉटसन की बराबरी की

सबसे ज्यादा 4 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते

कोलंबो। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इंग्लैंड ने 19.3 ओवर में 6 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के हीरो रहे विल जैक्स, जिन्होंने 18 गेंद पर नाबाद 32 रन की तेज पारी खेली और 2 विकेट भी लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। यह उनके वर्ल्ड कप करियर का चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड रहा, इसी के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन की बराबरी कर ली। दूसरी ओर जोस बटलर टी-20 इंटरनेशनल में 10वीं बार शून्य पर आउट हुए।

विल जैक्स ने चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता

इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपना चौथा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत लिया। इसी के साथ उन्होंने एक ही एडिशन में सबसे ज्यादा अवॉर्ड जीतने के मामले में शेन वॉटसन की बराबरी कर ली, जिन्होंने भी 2012 में 4 अवॉर्ड हासिल किए थे। तब वॉटसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने थे। वहीं, 2022 में सिकंदर रजा ने तीन बार यह सम्मान पाया था।

स्पिनर्स ने 31 ओवर्स फेंके

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम स्पिनर्स के लिए सबसे मददगार साबित हुआ। न्यूजीलैंड-इंग्लैंड मैच में 31 ओवर स्पिनर्स ने फेंके। यह टूर्नामेंट इतिहास के एक मैच में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रहे। इससे पहले इसी वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले में भी दोनों टीमों के स्पिनर्स ने मिलकर 31 ओवर डाले थे।

बटलर इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

जोस बटलर शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खाता भी नहीं खोल सके। वे इंग्लैंड के लिए टी-20 में सबसे ज्यादा 10 बार शून्य पर आउट हुए हैं। उनके बाद ल्यूक राइट और मोईन अली 9-9 बार डक हुए, जबकि जेसन रॉय 7 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड

तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं।

एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से सम्मान मिला है।

पैरा नेशनल टेबल टेनिस : विश्व नंबर-2 भाविना और सोनल पटेल बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

मध्य प्रदेश की झोली में आए दो रजत, 22 राज्यों के सूरमाओं ने दिखाया दमखम

इंदौर । मध्य प्रदेश की खेल राजधानी इंदौर के अभय प्रशाल में आयोजित यूटीटी पैरा नेशनल टेबल टेनिस स्पर्धा का शनिवार को अत्यंत रोमांचक समापन हुआ। टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त ओलंपिक पदक विजेता भाविना पटेल और सोनल पटेल के साथ हितेश डोलवानी, नितीश वाई, कुणाल अरोड़ा, शिवम पाल, नतानिया जैन और जमानी नूरजहाँ ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्णिम सफलता प्राप्त कर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। विश्व रैंकिंग में नंबर-2 स्थान रखने वाली टोक्यो पैरा ओलंपिक की रजत पदक विजेता भाविना पटेल ने महिला क्लास 4-5 के खिताबी मुकाबले में तेलंगाना की विजया दीपिका को 3-2 से पराजित किया, वहीं विश्व की 7वें नंबर की खिलाड़ी सोनल पटेल (गुजरात) ने क्लास 3 के फाइनल में चंडीगढ़ की विद्या कुमारी को 3-0 से शिकस्त देकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

पुरुषों के वर्गों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गजों ने शानदार प्रदर्शन किया। क्लास 10 के फाइनल में विश्व रैंकिंग 41 वाले हितेश डोलवानी (तेलंगाना) ने महाराष्ट्र के विश्व तांबे को 3-1 से हराकर खिताब जीता। क्लास 9 में नितीश वाई (तमिलनाडु) ने महाराष्ट्र के दत्तप्रसाद चौगुले को 3-2 के कड़े संघर्ष में मात दी। क्लास 8 में उत्तर प्रदेश के कुणाल अरोड़ा ने कर्नाटक के अजय जी.वी. को 3-1 से पराजित किया और क्लास 7 में शिवम पाल (उत्तर प्रदेश) ने मध्य प्रदेश के हर्ष त्रिवेदी को 3-0 से शिकस्त दी। इसी प्रकार क्लास 6 में विकास ठाकुर (गुजरात) ने यजदी भामगरा (गुजरात) को 3-0 से, क्लास 4-5 में सुमित सहगल (हरियाणा) ने त्रिवेंद्र सिंह (उत्तर प्रदेश) को 3-1 से और क्लास 3 में शुभम वाधवा (पंजाब) ने मधु राम (राजस्थान) को 3-0 से हराया। क्लास 2 में जगन्नाथ हम्मे (कर्नाटक) ने अविनाश गोपीनाथन (तमिलनाडु) को 3-1 से और क्लास 1 में विश्व रैंकिंग 16 वाले जे.डी. मदान (तमिलनाडु) ने मयंक श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश) को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

महिला वर्ग में भी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग वाले खिलाड़ियों का दबदबा रहा। क्लास 10 में नतानिया जैन (दिल्ली) ने देवयानी वाल्वे (मध्य प्रदेश) को 3-0 से हराकर स्वर्ण जीता। क्लास 9 में विश्व रैंकिंग 10 वाली बेबी सहाना (तमिलनाडु) ने हरियाणा की महक कौर को 3-1 से मात दी। क्लास 8 में सविता वी. अज्जप्पानवर (कर्नाटक) ने निशा कुमारी (तेलंगाना) को 3-0 से पराजित किया। क्लास 7 के रोमांचक मुकाबले में विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी जमानी नूरजहाँ (गुजरात) ने अपनी ही राज्य की ध्वनि शाह को 4-1 से शिकस्त देकर स्वर्ण जीता। क्लास 6 में विश्व रैंकिंग 18 वाली प्राची पांडे (उत्तर प्रदेश) ने भाविका कुकड़िया (गुजरात) को 3-1 से हराया और क्लास 1-2 में दीपिका रानी रामनाथन (तमिलनाडु) ने विश्व रैंकिंग 12 वाली एकता भ्यान (हरियाणा) को 3-0 से पराजित कर खिताबी सफलता अर्जित की।

म.प्र. के खिलाड़ियों ने रजत पदकों से बढ़ाया मान

मेजबान मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। यद्यपि वे स्वर्ण पदक से चूक गए, लेकिन उनके जुझारू खेल ने सबका दिल जीत लिया। देवयानी वाल्वे ने महिला एकल क्लास 10 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। वहीं, हर्ष त्रिवेदी ने पुरुष एकल क्लास 7 के फाइनल तक का सफर तय कर रजत पदक अपने नाम कर प्रदेश का मस्तक ऊँचा किया।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य एवं मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

पाकिस्तान जीतकर भी टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर: श्रीलंका को 5 रन से हराया

फरहान का शतक बेकार, न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंची

कैंडी । पाकिस्तान की टीम टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। टीम को टॉप-4 में पहुंचने के लिए 213 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका को 147 रन पर रोकना था। लेकिन, श्रीलंकाई टीम ने 16वें ओवर में 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इसी के साथ पाकिस्तानी टीम टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई और न्यूजीलैंड की टीम टॉप-4 में पहुंच गई। पाकिस्तानी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाबी पारी में श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन ही बना सकी।

कैंडी के पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 212 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान (100 रन) ने शतक लगाया। जबकि फखर जमान (84 रन) ने फिफ्टी बनाई। दोनों के बीच रिकॉर्ड 176 रन की साझेदारी हुई। श्रीलंका की ओर से दिलशान मदुशंका ने 3 विकेट झटके। दो विकेट दसुन शनाका को मिले। दुष्मंथा चमीरा के हिस्से एक विकेट आया। सुपर-8 के अपने आखिरी मैच में पाकिस्तान को श्रीलंका के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की जरूरत थी। मगर टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी मेजबान श्रीलंका ने उसके इन अरमानों पर पानी फेर दिया। श्रीलंका के हाथों मिले इस झटके के कारण पाकिस्तान जहां सेममीफाइनल की रेस से बाहर हो गई तो वहीं इसका फायदा न्यूजीलैंड को मिला, जो ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई।

आखिरी ओवर में 22 रन बने, श्रीलंका 5 रन से हारा

श्रीलंका को आखिरी 6 बॉल पर 28 रन की जरूरत थी। कप्तान दसुन शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी की शुरुआती 4 बॉल पर एक चौका और लगातार तीन छक्के लगाए। अब टीम को आखिरी दो बॉल पर 6 रन चाहिए थे। ऐसे में शाहीन ने दोनों बॉल डॉट करा दी और पाकिस्तान 5 रन से जीत दिया।

रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच अब तक 15 मैच खेले गए। दोनों को 5-5 में जीत मिली, जबकि 5 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।

होली के रंग – बेमेतरा के संग कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर के प्रतिष्ठित आयोजन स्थल भारत रत्न पैलेस में टीम एलीट द्वारा आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ÷॥श्द्यद्व श्व1द्गठ्ठद्ध ङ्क होली के रंग बेमेतरा के संग÷ हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बेमेतरा विधानसभा के विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और नगरवासियों के साथ होली के पावन पर्व की खुशियाँ साझा कीं। कार्यक्रम रंगों, गुलाल, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रहा। युवाओं की रचनात्मक प्रस्तुतियों और सुव्यवस्थित आयोजन ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं और महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक बना दिया। अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह प्रेम, सौहार्द और आपसी विश्वास का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने कहा, ÷बेमेतरा की पहचान केवल विकास कार्यों से ही नहीं, बल्कि यहां के लोगों की आपसी एकता, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना से भी होती है। आज का यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि हमारा नगर सकारात्मक सोच और सामूहिक सहभागिता के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने टीम एलीट के युवा साथियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

विधायक ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे होली के इस पावन अवसर पर पुराने मनमुटाव भुलाकर प्रेम और भाईचारे के साथ बेमेतरा को विकास, सौहार्द और संस्कार की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लें। कार्यक्रम के अंत में विधायक साहू ने उपस्थित जनसमूह को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा, ÷होली के रंग - बेमेतरा के संग, यही हमारी एकता और प्रगति की पहचान है। आयोजन के सफल संचालन के लिए टीम एलीट के सदस्यों और सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा,रायपुर जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा,भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू,पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, युगल देवांगन,मोंटी साहू पार्षद पंचू साहू,निखिल साहू, लक्की साहू,डॉ विनय साहू दोहाई लाल वर्मा,केशव साहू गिरीश गबेल,करण साहू,कुणाल साहू, सहित जनप्रतिनिधि भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

ग्राम भैंसा में एचआईवी जागरूकता एवं नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

संस्था जीवन रेखा फाउंडेशन, बेमेतरा द्वारा ग्राम भैंसा में हयाती बेवरेज प्रा. लि. के सौजन्य से एचआईवी/एड्स जागरूकता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कंपनी के मजदूरों सहित ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कुल 59 लोगों की एचआईवी स्क्रीनिंग की गई। रूद्र चश्मा घर से पधारे नेत्र विशेषज्ञ डॉ. चकेन्द्र कुमार वर्मा एवं डॉ. मुकेश टंडन द्वारा 88 लोगों का नेत्र परीक्षण (आई चेकअप) किया गया। इसके अतिरिक्त पीपीपी डॉ. कुश साहू द्वारा 65 लोगों का बीपी एवं शुगर परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की गई। जिन व्यक्तियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्या पाई गई, उन्हें आगे की जांच एवं उपचार हेतु जिला अस्पताल बेमेतरा में आने की सलाह दी गई। इस अवसर पर हयाती बेवरेज प्रा. लि. से संदीप कुमार महिंद्रा (यूनिट हेड), महेंद्र पांडे (फैक्ट्री मैनेजर) एवं नीरज सिंह (ह्यास अधिकारी) विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। बेमेतरा से परियोजना प्रबंधक डॉ. विकास मेश्राम, काउंसलर आशा चेलक, मिकेश मानिकपुरी, ओआरडब्ल्यू , महेश चतुर्वेदी, डालिमा सोनी, नीरज सेन एवं नीलम पारधी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान ग्रामीणों एवं मजदूरों को एचआईवी/एड्स से बचाव, जांच एवं उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अधिक जानकारी एवं परामर्श हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1097 पर कॉल करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित जनसमूह ने इस पहल की सराहना की।

होली को लेकर बीजापुर पुलिस अलर्ट, नशे में ड्राइविंग और हुड़दंग पर रहेगी पुलिस की कड़ी नजर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

होली को लेकर इस बार पूरे जिले में पुलिस ने पहले से ही कमर कस ली है। साफ कर दिया गया है कि त्योहार की आड़ में किसी तरह की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रंगों का पर्व खुशी और भाईचारे का है, लेकिन कानून तोड़ने वालों के लिए सख्ती तय है। बीजापुर पुलिस ने जनहित में जारी संदेश में कहा है कि शराब पीकर वाहन चलाने, जबरन रंग लगाने, सड़क पर स्टंट करने, तेज रफ्तार से गाड़ी दौड़ाने या हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संवेदनशील स्थानों, मुख्य चौक-चौराहों और बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी और जहां व्यवस्था है वहां सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया में सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें। नशे की हालत में वाहन न चलाएं। सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक संदेश साझा करने से बचें।

शांति समिति की बैठक आज –होली को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए 2 मार्च को शाम 4 बजे एसपी कार्यालय स्थित ऑफिसर्स मेस में शांति समिति की बैठक रखी गई है। इसमें जिले भर के व्यापारी, पार्षद, समाज प्रमुख और प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

सावधान ऑनलाइन चाकू मंगवाना पड़ सकता है भारी कांकेर पुलिस ने जब्त किए 54 घातक हथियार

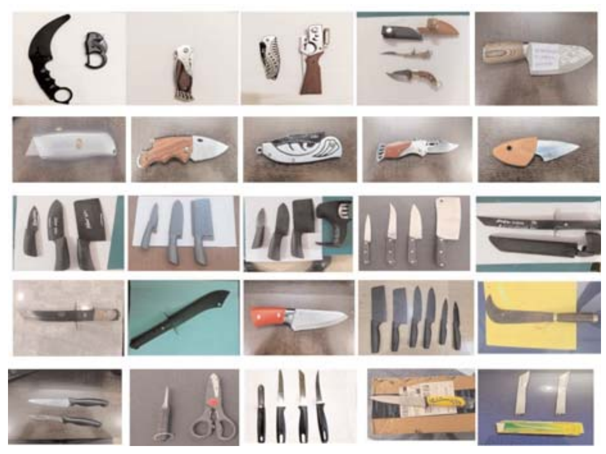

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वाले और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स से घातक हथियार मंगवाने वालों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में पिछले 3 महीनों के भीतर ऑनलाइन ऑर्डर किए गए 54 नग धारदार चाकू बरामद किए गए हैं। दिखावे का शौक पहुंचा सकता है जेल पुलिस की साइबर सेल ने तकनीकी जांच में पाया कि कई युवा महज शौक, दिखावे या सोशल मीडिया (फेसबुक-इंस्टाग्राम) पर रील और फोटो पोस्ट करने के लिए आकर्षक डिजाइन वाले 'पेन चाकू', 'बटन चाकू' और 'पॉकेट चाकू' मंगवा रहे हैं,पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे हथियारों का प्रदर्शन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। इसी कड़ी में थाना चारामा के अंतर्गत एक 19 वर्षीय युवक (सागर उसेण्डी) के विरुद्ध आर्म्स एक्ट (धारा 25) के तहत मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस की अहम अपील और इनाम का वादा कांकेर पुलिस ने आम जनता से सहयोग मांगते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन माध्यम से चाकू या अन्य हथियार मंगवाकर लोगों को डराने-धमकाने की मंशा रखता है, तो तुरंत सूचना दें।

जिला मुख्यालय में भाजपा ने सौंपी नई जिम्मेदारियाँ, विजय सिन्हा और केशव साहू बने जिला प्रवक्ता

बेमेतरा /मूक पत्रिका

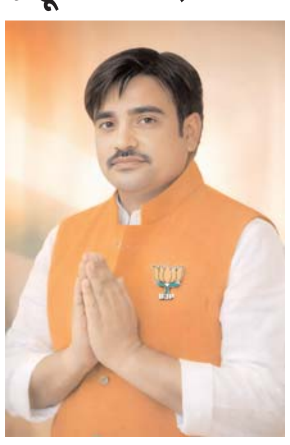

भारतीय जनता पार्टी ने अपने जिला मुख्यालय में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जिला प्रवक्ता पद पर नई नियुक्तियों की घोषणा की है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं केशव साहू को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों नव-नियुक्त प्रवक्ताओं को पुष्पमाला पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। पार्टी नेतृत्व ने अपेक्षा व्यक्त की कि दोनों प्रवक्ता संगठन की नीतियों, सिद्धांतों एवं सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे तथा जिला स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएँगे। नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए विजय सिन्हा एवं केशव साहू ने कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और संगठन हित में पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं सक्रियता के साथ कार्य करेंगे। इस दौरान बधाई देने वालों में सांसद विजय बघेल, मंत्री दयालदास बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला अध्यक्ष अजय साहू, मंडल अध्यक्ष युगल देवागन, किसान नेता हर्ष तिवारी एवं मोंटी साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नगर पालिका जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार की नीतियों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, विकास कार्यों पर मांगा जवाब

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यासीन कराणी ने शांति नगर वार्ड में आयोजित एक बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीतियों से आम जनता, विशेषकर मजदूर और आदिवासी वर्ग, प्रभावित हो रहे हैं। कराणी ने आरोप लगाया कि मजदूरों के अधिकारों से जुड़े कुछ फैसलों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। बैठक में शांति नगर वार्ड के पार्षद ओम प्रकाश देवांगन ने भी शहर के विकास कार्यों की गति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को शहर के समग्र विकास के लिए ठोस योजना और स्पष्ट विजन के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस जिला कमेटी के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। वक्ताओं ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना से ही नीतियों में सुधार संभव है।बैठक में गीता ध्रुव, त्रिवेणी साहू, भूवन बाई, सातों मरकाम, केशरी, केशर, लक्ष्मी, महेश्वरी, बनीता, सरोज, कमलेता, मधुरा, सरिता, रूपा बाई, संतोष, लक्ष्मीकांत, जागेश्वर, जोगेश, चंद्रशेखर, तरुण, शंभू सहित अनेक वार्डवासी उपस्थित रहे। उधर, भाजपा नेताओं का कहना है कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है तथा सभी वर्गों के हित में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

कोटा सिरसहा में 'श्री नारी गौरव सेवा सम्मान 2026' का भव्य आयोजन, महिलाओं को किया गया सम्मानित

कोटा/मूक पत्रिका

(बिलासपुर) - बीते रविवार 01 मार्च को ग्राम सिरसहा, पोस्ट सिलतरा, तहसील कोटा, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में 'श्री नारी गौरव सेवा सम्मान 2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सतनामी समाज विकास समिति, ग्राम चंदनू (तहसील एवं जिला बेमेतरा) के अध्यक्ष डॉ. सरजू प्रसाद दिवाकर एवं अधिवक्ता मणिशंकर दिवाकर द्वारा किया गया। आयोजन महिला स्व-सहायता समूहों की टीम की सदस्य सरिता पात्रे के आग्रह पर संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत बाबा गुरु घासीदास के चरण कमलों में दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता चेतन दास बंजारे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सिरसहा के सरपंच धन्नू नवरंग ने की।विशिष्ट अतिथियों में परसराम बंजारे (व्याख्याता), रामकुमार बंजारे (सेवानिवृत्त शिक्षक), ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे (प्रधान पाठक), अधिवक्ता कोमल मानदेव, अश्वनी कुमार पात्रे (गीतकार एवं उपसरपंच खैरी) तथा रामेश्वर अनंत (पूर्व सरपंच पदमी) शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता मणिशंकर दिवाकर ने किया।अतिथियों ने अपने उद्बोधन में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वाभिमान एवं समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर उजाला महिला स्व-सहायता समूह, जय सतनाम महिला स्व-सहायता समूह, महामाया महिला स्व-सहायता समूह, वैष्णवी महिला स्व-सहायता समूह एवं सफुरा माता महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सरिता पात्रे एवं हीराबाई टंडन ने शानदार गीत प्रस्तुति दी, जिसकी सभी ने सराहना की। महिलाओं को 'श्री नारी गौरव सेवा सम्मान 2026' तथा पुरुषों को 'श्री गौरव कला सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। समापन से पूर्व अतिथियों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन अश्वनी कुमार पात्रे द्वारा किया गया।

होलिका दहन का शास्त्रसम्मत समय , 2-3 मार्च की मध्य रात्रि 1:30 से 2:00 बजे शुभ पंडित श्रीनिवास द्विवेदी

बेमेतरा /मूक पत्रिका

होलिका दहन का 2 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा इसलिए उसी दिन होगा होलिका दहन पंडित श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी सोमवार 2 मार्च 2026 को पूर्णिमा तिथि 5.18 बजे प्रवेश करेगी जो मंगलवार 3 मार्च 2026 को शाम 4:33 बजे समाप्त होगी पंडित द्विवेदी ने कहा शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन प्रदोष व्यापिनी चाहिए 2 मार्च पूर्णिमा में ही किया जाना चाहिए 2 मार्च को पूर्णिमा प्रदोष काल में प्राप्त हो रही है जबकि 3 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि नहीं रहेगी भद्रा में नहीं होते दो कार्य रक्षाबंधन और होलिका दहन हालांकि 2 मार्च को भद्रा का भी सयोग है 2 मार्च को संध्या 5:18 बजे से भद्रा प्रारंभ होकर रात्रि 4:56 बजे तक रहेगी ऐसे में सामान्य यह कल होलिका दहन के लिए निषिद्ध माना जाता है भद्रा की पुच्छ में दहन का शास्त्रीय विधान महाराज जी ने परिहार का मार्ग बताते हुए कहां की पूर्णिमा की भद्रा के तृतीय चरण को भद्रा की पुच्छ कहा जाता है यह तीन घड़ी की मानी गई है एक घड़ी 24 मिनट की होती है इस प्रकार कुल अवधि लगभग एक घंटा 12 मिनट होती है शास्त्रों में इसी पुच्छ कॉल में होलिका दहन का विधान बताया गया है प्राचीन काल में देव- दैत्य संग्राम के समय भगवान शिव के शरीर से दैत्यों के विनाश के लिए भद्रा का उद्भव हुआ था इसी कारण शास्त्रों में भद्रा त्याग का विधान प्राप्त होता है दो-तीन मार्च की मध्य 1: 30 से 2:00 बजे का समय भद्रा की पुच्छ का मध्य कहा जा रहा है इसलिए यह होलिका दहन के लिए सर्वश्रेष्ठ और उपयुक्त रहेगा। खग्रास चंद्र ग्रहण 03.03.2026 तक प्रातः 9:07 मिनट से प्रारंभ होगी ग्रहण स्पर्श संध्या 06:07 बजे मोक्ष संध्या 06:47 बजे पर होगी ग्रहण काल में मंदिर का पट प्रातः 9:00 बजे बंद कर दिए जाएंगे संध्या 7:30 बजे मंदिर के पट खोले जाएंगे। प्रतिपदा 04-03- 2026 बुधवार बसंत उत्सव होली उत्सव मनाया जाएगा

पखांजूर पुलिस ने बाइक की डिक्की से पकड़ा गांजा, एक तस्कर गिरफ्तार

कांकेर। जिला उत्तर बस्तर कांकेर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन उजियारा' अभियान के तहत पखांजूर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो महाराष्ट्र से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ आ रहा था।माटोली चौक पर हुई घेराबंदी दिनांक 28 फरवरी, 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति काले रंग की पल्सर बाइक (छ्रत्न19 क्चक्र2953) की डिक्की में गांजा छिपाकर महाराष्ट्र से कापसी की ओर आ रहा है। स्ष्ठक्कपखांजूर के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी लक्ष्मण केवट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम माटोली चौक पर नाकाबंदी की। हुलिए के आधार पर संदिग्ध बाइक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें डिक्की के अंदर से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से अभय दास (उम्र 33 वर्ष) निवासी छोटेकापसी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से बरामद सामान की कुल कीमत ?1,77,700 आंकी गई है मादक पदार्थ 2.368 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग ?1,15,900)।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।